उज्जैन
शनिवार
17
अक्टूबर, 2026 | वर्ष-12 | अंक-344
मूल्य- 2 रु.
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 ▸ बीजेपी नेता ने लड़की को गरबा से धक्के देकर भगाया, परिजन से भी बदसलूकी

7 ▸ बेंगलुरु में पहली बार भारत-वेस्टइंडीज टी-20



काव्या मारन संग जल्द शादी के बंधन में बंधेंगे म्यूजिक कंपोजर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

मशहूर कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर के घर शहनाई बजने वाली है। वे काव्या मारन के साथ जिंदगी के नए अध्याय की शुरूआत करने वाले हैं। अनिरुद्ध और काव्या की शादी का रिसेप्शन चेन्नई में 21 नवंबर को होगा। हालांकि, शादी की तारीख को लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों की शादी की खबर की पुष्टि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कर दी है। दरअसल, मुख्यमंत्री को मारन परिवार ने रिसेप्शन में आमंत्रित किया है। सीएम रेड्डी ने तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं। इसमें शादी की बात की पुष्टि के साथ ही, रिसेप्शन की तारीख भी बताई है। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है और लिखा है, 'सन ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन और उनकी पत्नी कावेरी मारन ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से जुबली हिल्स में उनके घर पर मुलाकात की और उन्हें अपनी बेटी काव्या मारन की शादी के रिसेप्शन में बुलाया। काव्या मारन और अनिरुद्ध रविचंदर की शादी का रिसेप्शन 21 नवंबर को चेन्नई में होगा।

देश

- **महाराष्ट्र** : पटाखे फोड़ने पर साल भर रहेगा प्रतिबंध, दीवाली-क्रिसमस पर भी नहीं फोड़ सकेंगे बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश
- **लालकृष्ण आडवाणी** हॉस्पिटल में एडमिट, सीने में इंफेक्शन, हालत स्थिर
- **यूपी में** दर्दनाक हादसा : बुलंदशहर में अनियंत्रित वैन पेड़ से टकराई, एक साल की बच्ची सहित 5 लोगों की मौत
- **गगनयान** ने मॉड्यूल अलग करने का टेस्ट पास किया, यह सुरक्षित वापसी में भी मददगार, इसरो का लक्ष्य- 2026 में लॉन्च हो पहला मानवरहित मिशन
- **उत्तराखंड** और हिमाचल में बर्फबारी से कड़ाके की ठंडः राजस्थान में तापमान 6 डिग्री गिरा लखनऊ में बाढ़ से 3 लाख लोग प्रभावित

विदेश

- **चुनाव जीतकर** भी क्या पीएम नहीं बन पाएंगे नेतन्याहू, दक्षिणपंथी वोटों के बंटने का डर, हाथ से निकल सकती है सत्ता
- **भारत** को सोने का नया सप्लायर मिल सकता है, ऑस्ट्रेलिया में सोने की खोज पर 13 हजार करोड़ खर्च
- **ट्रम्प** ने 5 दिन में ही प्रेस सेक्रेटरी को हटाया, वकील होने के दावे पर सवाल उठे, पहली ब्रीफिंग में जुबान लड़खड़ाई थी
- **भारत** के प्रदर्शनों पर अमेरिका की नजर, छह सांसदों ने रूबियो को लिखा पत्र, कहा- जयशंकर के सामने उठाएं मुद्दा

व्यापार

- **यात्रियों** को महंगे फ्लाइट टिकटों से राहत मिलेगी, मनमाने किराए को कंट्रोल करने के नए नियम फाइनल
- **सेंसेक्स** 413 अंक चढ़कर 74,729 पर बंद, निफ्टी में 148 अंकों की तेजी, आईटी और मीडिया शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी

कार्टून..



ट्रम्प ने भारत पर 100% टैरिफ लगाने वाला कानून रोका

बोले-इसमें अमेरिका का फायदा, 8 दिन पहले रूस से डीजल खरीदने की डील की थी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रम्प ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है।

इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले भारत और चीन जैसे देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता था।

रूस पर प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद उसकी कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

प्रतिबंध लगाने वाले बिल में 5 देशों के नाम थे

ट्रम्प ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिंडसे ग्राहम एक्ट) पर 18 सितंबर 2026 को साइन किए थे। 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने इसे 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी। रूस से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले 5 देशों की अमेरिकी लिस्ट में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे।



भारत के तेल आयात में रूस का 45% हिस्सा

- भारत अपनी जरूरत का 88% से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45% थी।
- भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100% तक टैरिफ लगने का खतरा भारत के लिए चिंता की वजह था।
- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत तेल की उपलब्धता और दुनिया के हालात को देखकर अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का फैसला करता है।
- भारत पहले भी अमेरिकी अधिकारियों के सामने यह मुद्दा उठा चुका है। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर असर के बीच रूस से तेल की सप्लाई कम करना दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ा सकता है। इसलिए अमेरिका के लिए रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाना आसान फैसला नहीं है।

अभिजीत दीपके गिरफ्तार, कोर्ट में आज पेशी

8 दिन में दूसरी बार कार्रवाई, तिरंगा रैली से पहले हिरासत में लिए गए थे, नेहा बोरा रिहा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उन्हें आज स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा।

दीपके को शुक्रवार को कनॉट प्लेस में लहरा दो तिरंगा रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। 8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे।

इसी मामले में आयशा अध्यक्ष नेहा बोरा समेत करीब 150 लोगों को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया था। दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह करीब 5 बजे बोरा को रिहा कर दिया। पुलिस के मुताबिक, उन्हें दिल्ली पुलिस एक्ट की धारा 65 के तहत हिरासत से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद छोड़ा गया।

सीजेपी का दावा- पुलिस दीपके की लोकेशन नहीं बता रही

सीजेपी ने दावा किया कि अभिजीत दीपके को हिरासत में लिए जाने के कई घंटे बीत जाने के बाद भी उनकी लोकेशन की जानकारी नहीं मिली। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे के मुताबिक, पुलिस ने संसद मार्ग थाने में दीपके के होने से इनकार किया और दूसरे थाने में पता करने को कहा। पार्टी का आरोप है कि दीपके के वकीलों को भी हिरासत की वजह नहीं बताई गई। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गांडे ने दीपके की रिहाई की मांग की। उन्होंने दावा किया कि दीपके तिरंगा लेकर जा रहे थे और उन्होंने पुलिस से दूसरी जगह जाने का विकल्प मांगा था, लेकिन उन्हें हिरासत में ले लिया गया। गांडे के मुताबिक, दीपके के वकीलों और परिवार को उनकी लोकेशन और हिरासत की वजह की जानकारी नहीं दी गई।



दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने को लेकर गाइडलाइंस जारी कीं

- इधर, दिल्ली पुलिस ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के 'लहरा दो तिरंगा' मार्च के बाद राष्ट्रीय ध्वज को सही तरीके से संभालने और प्रदर्शित करने के लिए गाइडलाइंस जारी की हैं।
- राष्ट्रीय ध्वज का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए और इसे सम्मानजनक स्थिति में ही प्रदर्शित किया जाना चाहिए। तिरंगा जमीन को नहीं छूना चाहिए और न ही पानी में घिसटना चाहिए।
- इसे उल्टा (केसरिया पट्टी नीचे करके) नहीं फहराया जा सकता, और न ही इसे आधा झुकाकर फहराया जा सकता है, जब तक कि सरकारी निर्देशों में ऐसा करने की विशेष अनुमति न दी गई हो।
- राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल कपड़ों या यूनिफॉर्म के हिस्से के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही, इसे कुशन, रुमाल या नैपकिन जैसी चीजों पर भी नहीं छापा जाना चाहिए।
- झंडे पर कुछ भी लिखना या इसे सजावट के लिए कपड़े की तरह इस्तेमाल करना मना है; निजी अंतिम संस्कार के दौरान भी ऐसा नहीं किया जा सकता।
- झंडे का इस्तेमाल किसी वस्तु को ले जाने या पकड़ने के लिए नहीं किया जा सकता सिवाय विशेष मौकों पर झंडा फहराने से पहले उसमें फूल की पंखुड़ियां रखने के।
- मूर्तियों, स्मारकों, स्पीच डेस्क या मंच को ढकने के लिए झंडे का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।
- किसी वाहन, ट्रेन, नाव या विमान के किसी हिस्से पर इसे लपेटना, या किसी इमारत को ढकने के लिए इसका इस्तेमाल करना प्रतिबंधित है।

नेहा को 5 घंटे तक अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया

आएशा का आरोप है कि नेहा बोरा को हिरासत में लेने के करीब 5 घंटे तक दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया। इसके बाद उन्हें आरके पुरम थाने पहुंचाया गया। संगठन के मुताबिक, आधी रात के आसपास थाने पहुंचे वकीलों को नेहा से मिलने नहीं दिया गया। बाद में जब मुलाकात हुई, तब वहां पुलिसकर्मी और रिकॉर्डिंग कैमरे मौजूद थे। आयशा ने दावा किया कि नेहा के पिछले कुछ दिनों से बीमार होने की जानकारी के बावजूद पुलिस ने उन्हें दवाइयां देने से इनकार कर दिया। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने नेहा की रिहाई का समय स्पष्ट नहीं किया। आयशा अध्यक्ष नेहा बोरा मंडी हाउस में प्रदर्शन करने गईं थीं। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। आयशा अध्यक्ष नेहा बोरा मंडी हाउस में प्रदर्शन करने गईं थीं। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

सौरव-आशुतोष 5 दिन की न्यायिक हिरासत में

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं। इन्हें 13 अक्टूबर की सुबह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। इनकी कस्टडी 18 अक्टूबर को खत्म होगी। इसके बाद पुलिस इन्हें एक बार फिर कोर्ट लेकर जाएगी। जहां आगे का एक्शन होगा।

कोटा में भीषण हादसा

एक्सप्रेस-वे से नाले में गिरी 25 यात्रियों की टेंपो ट्रैवलर, एमपी के आठ की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कोटा

राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सीमलिया के पास भीषण सड़क हादसा हुआ। करीब 25 यात्रियों से भरी एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। शुरूआती जानकारी के अनुसार, हादसे में मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के रहने वाले करीब आठ लोगों की मौत हो गई है।

राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। सीमलिया के पास 25 यात्रियों से भरी एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, हादसे में मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के रहने वाले करीब आठ लोगों की मौत हो गई है।

25 यात्रियों से भरी गाड़ी नाले में गिरी- जानकारी के अनुसार, हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कोटा जिले के सीमलिया के पास हुआ। यात्रियों से भरी टेंपो ट्रैवलर अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे नाले में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वाहन में करीब 25 यात्री सवार थे, जिससे दुर्घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

बैतूल के आठ लोगों की मौत की खबर- शुरूआती सूचनाओं में मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के रहने वाले करीब आठ लोगों की मौत की बात सामने आई है। हालांकि, मृतकों की पहचान, घायलों की संख्या और उनकी स्थिति के संबंध में आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि टेंपो ट्रैवलर किस वजह से अनियंत्रित होकर नाले में गिरी। हादसे के कारणों और राहत-बचाव कार्य से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही दुर्घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

महाराष्ट्र सड़क हादसा

तीर्थयात्रियों का टेंपो खाई में गिरा, 3 की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नांदेड़

महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में नवरात्रि के दौरान मंदिर के दर्शन कर लौट रहे लोगों के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। केरोली घाट पर एक तीर्थयात्रियों से भरा टेंपो करीब 100 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा शनिवार सुबह करीब पांच बजे हुआ।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, टेंपो में सवार लोग यवतमाल के रहने वाले थे और एक फर्नीचर की दुकान पर काम करते थे। वे नवरात्रि के अवसर पर माहुर स्थित मंदिर में दर्शन करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान माहुर तहसील के केरोली घाट पर एक तीखे मोड़ से गुजरते समय वाहन हादसे का शिकार हो गया। पुलिस के अनुसार, टेंपो घाट से नीचे उतर रहा था। इसी दौरान सामने की दिशा से आ रहा एक वाहन कथित तौर पर तेज रफ्तार में सड़क के गलत तरफ आ गया। उसकी तेज हेडलाइट की रोशनी से टेंपो चालक की आंखें चौंधिया गईं। टक्कर से बचने के लिए चालक ने वाहन को दूसरी ओर मोड़ने की कोशिश की। हादसे में टेंपो चालक प्रतीक अरविंद अडकिने (26), दत्ता मनोहर मेश्राम (35) और यशवंत अरविंद पाटिल (25) को मामूली चोटें आई हैं।

ग्रेटर नोएडा की वारदात

नूडल्स खाने के बाद एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नोएडा

घटना ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के नगला श्रीपदम गांव की है। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों में पति-पत्नी और तीन बच्चे शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र के नगला श्री पदम गांव में शनिवार को एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत से हड़कंप मच गया। मृतकों में पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में मामला फूड पॉइजनिंग का माना जा रहा है। बताया गया है कि परिवार के सदस्यों ने शुक्रवार रात नूडल्स का सेवन किया था। हालांकि, पुलिस ने अभी मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य वैज्ञानिक जांच के बाद ही स्थिति साफ होगी। डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह के मुताबिक शनिवार सुबह थाना रबूपुरा को सूचना मिली कि नगला श्री पदम निवासी एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। एंबुलेंस और फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम ने मौके का गहन निरीक्षण किया और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए।

गुजरात के भरूच की दवा-फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 की मौत, 6 लोग घायल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भरूच

गुजरात के भरूच की सिंजील फामार्केम नाम की एक दवा फैक्ट्री के रिएक्टर धमाके में 5 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 6 लोग घायल हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

धमाका इतना तेज था कि इसके तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड नाम की एक जहरीली गैस का रिसाव भी शुरू हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। हादसे की खबर मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि यह धमाका किस वजह से हुआ।

हादसा उस वक्त हुआ जब 15 हजार लीटर क्षमता वाले रिएक्टर में काम चल रहा था। धमाका इतना जोरदार था कि रिएक्टर के परखच्चे उड़कर फैक्ट्री की चारदीवारी के बाहर जा गिरे। धमाके की आवाज करीब 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके असर से फैक्ट्री में लगी भारी मशीनें और लोहे की चादरें टूट-फूटकर चारों तरफ बिखर गईं।

धमाके के तुरंत बाद फैक्ट्री से एमडीसी गैस का रिसाव होने लगा, जिससे अंदर और बाहर गहरा धुआं फैल गया। वहां मौजूद लोगों और मजदूरों की आंखों में तेज जलन होने लगी और गैस की चपेट में आने से कई कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। तेज उड़ने वाला तरल रसायन, हल्की मीठी महक। रंग छुड़ाने, दवा और कारखानों में सफाई के काम आता है। हवा से भारी, इसलिए फर्श या जमीन पर तेजी से फैलता है।

शरीर पर बुरा असर: चक्कर, सिरदर्द, जी मिचलाना, बेहोशी और मौत का खतरा। आंखों में जलन-लाली और त्वचा पर छाले। गुर्दे, जिगर और दिल को भारी नुकसान। मरीज को तुरंत खुली और ताजी हवा में ले जाएं। रसायन लगे कपड़े उतारें, बदन साबुन-पानी से धोएं। आंखों पर 15-20 मिनट तक साफ पानी के छींटे मारें। घर के सब दरवाजे, खिड़कियां और रोशनदान तुरंत बंद करें। चौखट के नीचे की दरारों में भीगा कपड़ा ठूंस दें। नाक-मुंह पर भीगा कपड़ा दबाकर ही सांस लें।

आरएसएस महिला संगठन प्रमुख बोलीं- जंतर-मंतर प्रदर्शन अराजकता फैला रहे

जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा दिमागी नक्सलवाद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नागपुर

आरएसएस के महिला संगठन, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन भारत में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं और देश की मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा- दिमागी नक्सलवाद जहरीले विचारों का सबसे खतरनाक और अदृश्य इकोसिस्टम है। यह जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा है। युवाओं और महिलाओं के मन में भी अशांति पैदा कर रहा है। उन्हें भड़का रहा है।

शांताकुमारी ने ये बातें 16 अक्टूबर को नागपुर में राष्ट्र सेविका समिति के वार्षिक विजयादशमी उत्सव और शस्त्रपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शनों को असंवैधानिक बताया। राष्ट्र सेविका समिति आरएसएस का महिला संगठन है। इसकी प्रमुख संचालिका वी. शांताकुमारी को शांताक्का के नाम से भी जाना जाता है।

शांताकुमारी बोलीं- देश की संस्कृति नष्ट करना चाहते हैं प्रदर्शनकारी

शांताकुमारी ने कहा- हमने जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन देखे हैं। हम इन्हें असंवैधानिक प्रदर्शन कह सकते हैं। देश अराजकता का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा- प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य भारत में अस्थिरता पैदा करना और देश की संस्कृति को नष्ट करना है। वे इसी इरादे से यह सब कर रहे हैं। वे समाज में कोई रचनात्मक बदलाव लाना नहीं चाहते हैं।

पीएम ने सबसे पहले किया था दिमागी नक्सली शब्द का इस्तेमाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल स्वतंत्रता दिवस के भाषण में सबसे पहले दिमागी नक्सली शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा था- हम जंगलों से सशस्त्र नक्सलियों को खत्म करने और देश को उस संकट से मुक्त कराने में सफल हुए हैं। हालांकि, सशस्त्र नक्सली चले गए हैं, लेकिन दिमागी नक्सली आसपास मौजूद हैं।

धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा : भागवत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा। मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।

महाकाल श्रृंगार



बिल्वपत्र, मुकुट और रुद्राक्ष माला से सजे बाबा महाकाल

अपनेतक

गरबा में भक्ति के नाम पर वसूली या परंपरा के नाम पर राजनीति?

नवरात्रि में गरबा आस्था, संस्कृति और सामूहिक उत्सव का प्रतीक है, लेकिन उज्जैन में पेड पास को लेकर उठे सवालों ने एक नई बहस छेड़ दी है। हिंदूवादी नेता अर्जुन सिंह भदौरिया ने परमेश्वरी गार्डन से राजमहल तक होने वाले गरबा आयोजनों को निशुल्क बताते हुए लोगों से बिना पास के पहुंचने की अपील की है। सवाल यह है कि अगर आयोजकों ने अनुमति लेते समय प्रवेश शुल्क का उल्लेख नहीं किया, तो क्या बाद में पास बेचने का अधिकार उन्हें मिल जाता है? और अगर अनुमति में इसकी मनाही नहीं है, तो क्या केवल आवेदन में उल्लेख न होने से प्रवेश शुल्क अवैध हो जाता है?

आस्था के आयोजन में पारदर्शिता जरूरी है, लेकिन नियमों की व्याख्या भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। आयोजकों को स्पष्ट करना चाहिए कि पास किस आधार पर बेचे जा रहे हैं, जबकि प्रशासन को अनुमति पत्रों की शर्तें सार्वजनिक कर स्थिति साफ करनी चाहिए। केवल आरोपों और दावों के बीच आम नागरिक को उलझाकर नहीं छोड़ा जा सकता।

भदौरिया ने पास मांगने या प्रवेश से रोकने पर वीडियो बनाकर पुलिस से शिकायत करने की अपील की है। मगर यहां भी सावधानी जरूरी है। किसी आयोजन में प्रवेश की शर्तें क्या हैं, यह जाने बिना हर पास व्यवस्था को गैरकानूनी मान लेना उचित नहीं होगा। दूसरी ओर, यदि अनुमति की शर्तों का उल्लंघन हो रहा है, तो कार्रवाई से पीछे हटने का सवाल भी नहीं उठना चाहिए।

उज्जैन धर्मनगरी है। यहां गरबा श्रद्धा और उत्साह का उत्सव बने, विवाद और शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा नहीं। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह न आयोजकों के दबाव में आए, न किसी नेता के दावे को ही अंतिम सत्य माने। पहले अनुमति पत्र सामने आए, नियम स्पष्ट हों और फिर तय हो कि गरबा निशुल्क होना चाहिए या प्रवेश शुल्क लेने की अनुमति है। आखिर धार्मिक उत्सव की गरिमा भी जरूरी है और कानून का पालन भी।

सांसद फिरोजिया ने की अलख उज्जयिनी के सेवा भाव की सराहना

उज्जैन। मक्सी रोड स्थित डालडा फैक्ट्री मैदान में संस्था अलख उज्जयिनी द्वारा भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में सांसद अनिल फिरोजिया ने शिरकत करते हुए कहा कि आनंद सिंह खींची के नेतृत्व में संस्था अपने सेवा भाव और गरबा आराधना से पूरे क्षेत्र की रौनक बढ़ा रही है। यह मक्सी रोड क्षेत्र का सबसे बड़ा आयोजन है। गरबा महोत्सव के दौरान उपस्थित दर्शकों से सनातन धर्म पर आधारित प्रश्न पूछे गए और सही उत्तर देने वालों को मौके पर ही पुरस्कृत किया गया। आयोजन में फलाहारी खिचड़ी का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र भारती, भाजपा नेता अशोक प्रजापत, सत्यनारायण खोईवाल, हर्षवर्धन सिंह कुशवाहा, सामाजिक कार्यकर्ता अशोक चौहान, रमेश चंद बड़गोत्या, राजेंद्र सोनी और जगदीश गुजराती सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजन

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जेंडर क्लब द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लैंगिक समानता, समान अधिकार, शिक्षा, स्वतंत्रता एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

गरबा सिर्फ नृत्य नहीं, इसका वैज्ञानिक आधार भी है

नौ दिवस तक साधक कठिन व्रत लेकर उपवास भी करते हैं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



शक्ति की आराधना का पावन पर्व नवरात्रि वर्षभर की शक्ति संचय का एक धार्मिक विधान है। श्रद्धालु नौ दिवस तक माता की भक्ति मे लीन रहते हैं और मनोकामना करते हैं। नौ दिवस तक साधक कठिन व्रत लेकर उपवास भी करते हैं। साधना का समापन नवमी तिथि पर हवन आदि के द्वारा होता है।

नवरात्रि के नौ दिवस तो श्रद्धालु बालिकाएं, युवक ,युवतियां व महिलाएं मातारानी की प्रशस्ति मे सुमधुर ढोल की थाप या संगीत की स्वरलहरियों के बीच गरबा रमती हैं। डांडिया रास से पूरे नौ दिन सकारात्मक ऊर्जा का संचरण होता है और आमोद प्रमोद मय भक्ति से सभी स्फूर्तियुक्त हो जाते हैं। ये भक्तिमय आनंद ही वर्षभर ऊर्जा प्रदान करता है व दिमाग तरोताजा बना रहता है।

गरबा सिर्फ एक नृत्य नहीं है वरन इसमे निहित विज्ञान को समझना बहुत आवश्यक है। गरबा वैसे तो गुजरात का लोकनृत्य है किन्तु इसके महत्व के चलते ये देश विदेश मे बहुत लोकप्रिय है और नवरात्रि व गरबा एक दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। गरबा मूलरूप से एक समूह नृत्य है। इसमे एक वृताकार गोला बनाकर महिलाएं नृत्य करती हैं। वृत पूरे ब्रह्माण्ड का सूचक है और जीवन का सार इस वृत मे छुपा है। जीवन चक्र रूपी गोले मे तीन अवस्थाएं 1 जन्म 2 मरण व 3 पुनर्जन्म विद्यमान है। मनुष्य की पूरी साइकल ही इसके इर्द गिर्द है। नृत्य करती गोले मे घूमती महिलाएं जीवनवृत को इंगित करती हैं।



मध्य मे मिट्टी का कलश व ज्योत

गरबा नृत्य के मध्य मातारानी की तस्वीर व कलश स्थापित किया जाता है जिसमे ज्योत जलती रहती है। कलश के अंदर दीपक मे ज्योत जलाकर नौ दिवस तक रखा जाता है। ये ज्योत ही दैवीय शक्ति को इंगित करती है और अग्नि की ऊर्जा वातावरण मे उत्सर्जित होती रहती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार दो ही वस्तु पूरे ब्रह्माण्ड मे हैं पहला पदार्थ व दूसरी ऊर्जा। ऊर्जा से परिपूर्ण मां शक्ति का द्योतक प्रज्वलित दीपक है । मां की आराधना जलती हुई ज्योत के आसपास घूमते हुए करने मे निश्चित ही मानव शरीर ऊर्जा से पूर्ण होता है और वातावरण मे भी ऊर्जा का संचार होता है।

ताली व डांडिया से गरबा

ताली बजाने से शरीर को होनेवाले लाभ को तो विज्ञान ने भी मान्यता प्रदान कर दी है। जब गरबा मे युवतियां आपस मे ताली बजाती हैं तो शरीर मे रक्त संचरण अच्छे से होता है और किसी प्रकार के अवरोध धमनियों मे नहीं हो पाते हैं साथ ही हथेली पर दबाव पडता है और एक तरह का एक्यूप्रेशर हो जाता है। इसी प्रकार डांडिया खेलने मे भी लकड़ियों को मजबूती से पकड करनी होती है जिससे हथेलियों पर एक्यूप्रेशर होता है जो शरीर को स्वस्थ रखता है।

आज के बदलते दौर मे गरबा का पुरातन स्वरूप भी बदला है किन्तु पारंपरिक गरबा आज के सन्दर्भ मे भी प्रासंगिकता रखे हुए है। समय के साथ थोडा परिवर्तन तो वक्त की मांग होती है किन्तु हमारी धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत मे निहित वैज्ञानिक तत्वों को जानकर उसका सम्मान करते हुए उसे मूलरूप मे सहेजना भी समझदारी है।

उज्जैन में आज 151 स्थानों पर होगा 31 हजार से अधिक कन्याओं का पूजन

विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा के नेतृत्व में 5 हजार कार्यकताओं ने घर-घर जाकर किया पंजीयन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

लोकमान्य तिलक गणेश उत्सव महा आयोजन समिति के तत्वावधान में आज सुबह 9 से 11 बजे के बीच शहर के 151 स्थानों पर 31 हजार से अधिक कन्याओं का पूजन किया जाएगा। उज्जैन उत्तर के विधायक और कार्यक्रम के संयोजक अनिल जैन कालूहेड़ा के नेतृत्व में यह ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है।

कार्यक्रम के सह संयोजक जगदीश पांचाल ने बताया कि इस विशाल आयोजन की रूपरेखा पिछले चार माह के प्रयासों का परिणाम है। विधायक कालूहेड़ा के नेतृत्व में उज्जैन उत्तर के सभी 6 मंडलों के 267 बूथों पर लगभग 5000 कार्यकताओं ने घर-घर जाकर बालिकाओं का पंजीयन किया है।

यह कार्यक्रम 151 यजमानों के सौजन्य से आयोजित हो रहा है, जिसमें लगभग 800 विशिष्ट अतिथि और शहर की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। आयोजन के दौरान प्रत्येक स्थल पर मुख्य वक्ताओं के संबोधन भी होंगे। इसके माध्यम से बच्चों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों को कन्या पूजन की परंपरा, इसके आध्यात्मिक आधार तथा नारी सम्मान का संदेश दिया जाएगा।

भवानी मां के एकतरफ 52 भैरव मुंड और दूसरी ओर शीतला माता भी सभी का ध्यान आकृष्ट करते

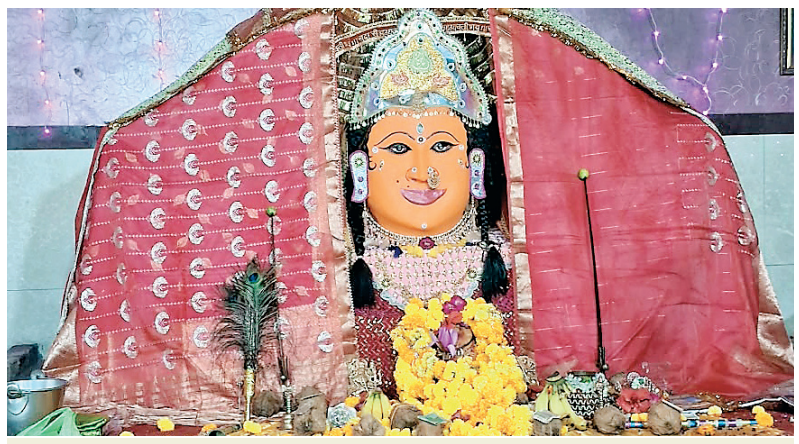
सभी की आशा पूर्ण करती आशापूरनी भवानी मां

मां भवानी महाराष्ट्र के कई परिवारों की कुलदेवी हैं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर से मात्र 24किलोमीटर की दूरी पर मुख्य आगर रोड पर स्थित है ग्राम नजरपुर। गांव के अंदर लगभग डेढ किलोमीटर चलने पर सुरम्य क्षेत्र मे स्थित है आशापूरनी भवानी माता मंदिर। आसपास नीरव शांति ,पास ही विशाल बरगद और उसके मध्य मां भवानी का दिव्य विग्रह जो बरबस ही हर श्रद्धालु को आकर्षित करता है। भवानी मां के एकतरफ 52 भैरव मुंड और दूसरी ओर शीतला माता भी सभी का ध्यान आकृष्ट करते हैं। पास ही हनुमानजी का मंदिर और पीछे एक पानी का कुंड है।

स्थानीय वृद्धजन बताते हैं कि किसी जमाने मे ये पूरा क्षेत्र वनों से आच्छादित था उस समय एक शेर प्रतिदिन मां भवानी की आरती के समय आता था और मंदिर की परिक्रमा करके चला जाता था। ये वह दौर था जब पूरा क्षेत्र विरान था और इक्का दुक्का लोग ही यहां आने का साहस कर पाते थे। मंदिर के सेवक वृद्ध अंतरसिंह हीरावतजी ने चर्चा मे बताया कि वे विगत पैंतालीस वर्षों से मंदिर मे सेवा दे रहे हैं किन्तु इस दौरान शेर कभी नहीं दिखा पर बुजुर्गो के अनुसार उन्नीस सौ सत्तर तक सिंह आता था। बाद में आवाजाही बढ गई ,बसावट तेजी से हुई और जंगल कम हो गए इस कारण शेर भी लुप्त हो गया।



महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं की भीड

मां भवानी महाराष्ट्र के कई परिवारों की कुलदेवी हैं अतः महाराष्ट्र के अकोला, कोल्हापुर, अमरावती, मुंबई आदि स्थानो से सैकडों श्रद्धालु नवरात्रि मे सपरिवार यहां आते हैं और कामना पूरी होने पर चढावा चढाते हैं। मंदिर के पुजारी ने बताया कि माता भवानी सभी की इच्छा पूर्ण करती हैं ,दूर दूर से श्रद्धालु मन मे आशा लेकर यहां आमद देते हैं इसलिए इनका नाम आशापूरणी मां भवानी हो गया। नजरपुर गांव मे मुख्य आगर रोड से मंदिर लगभग डेढ किलोमीटर दूर है। नवरात्रि मे यहां बहुत चहल पहल रहती है। चैत्र नवरात्र मे यहां मेला भी आयोजित होता है।



अभियान अंतर्गत एक दिवस में 100 से अधिक बच्चें चिन्हाकित

महिला बाल विकास द्वारा सड़क पर रहने वाले गरीब बच्चों का किया सर्वे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महिला बाल विकास ने जोखिम ग्रस्त बालको के सर्वे कराकर सड़क पर रहने वाले बच्चे ओर सड़क पर रहने वाले परिवारो के बच्चों को जिला बाल संरक्षण अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया।

जिसमें शहरी परियोजना क्रमांक 1 परियोजना अधिकारी प्रियका जायसवाल के द्वारा पर्यवेक्षक व आंगनवाडी कार्यकर्ताओ के साथ कोस्मोस मॉल के सामने, काला पत्थर, नानाखेडा बस्ती में सड़क पर निवासी अस्थाई बस्तियो में लगभग 40 बच्चे चिन्हाकित किये गये। व शहरी परियोजना क्रमांक 4 परियोजना अधिकारी अर्चना दलाल के मार्गदर्शन में पर्यवेक्षक वंदना गुप्ता व आंगनवाडी अमले द्वारा कार्तिक मेला ग्राउंड, ईमली चौक में सड़क पर निवासी अस्थाई बस्तियो में लगभग 60 बच्चे चिन्हाकित किये गये। जिनकी सर्वे जानकारी प्रारूप 2 में भरकर आगामी कार्यवाही हेतु तैयार की जावेगी।

विशेष अभियान अंतर्गत एक दिवस में 100 से अधिक बच्चो को चिन्हाकित किया गया। परियोजना खाचरौद 2 परियोजना अधिकारी मुकेश वर्मा के मार्गदर्शन में पर्यवेक्षक मीनु गुप्ता व आंगनवाडी अमले द्वारा 17 ऐसे बालको को चिन्हित किया गया। संपूर्ण अभियान में आईसीपीएस के संरक्षण अधिकारी सुरेन्द्र कुमार शर्मा व सामाजिक कार्यकर्ता गौरव मित्तल द्वारा प्रभावी सहयोग व ईनीशीएटीव लेते हुए बस्तियो में प्रभावी संवाद भी किया गया। अभियान में परियोजना उज्जैन शहर क 1 पर्यवेक्षक सरिता व आंगनवाडी कार्यकर्ता शहर 4 सरला जोशी द्वारा आवश्यक सहयोग किया गया।

विश्व खाद्य दिवस पर दाऊदी बोहरा समाज ने छतरी चौक पर किया भोजन वितरण

उज्जैन। विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर शुक्रवार को दाऊदी बोहरा समाज की ओर से छतरी चौक पर भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज की 'प्रोजेक्ट राइज' पहल के अंतर्गत सुबह 11 बजे से लोगों को सम्मानपूर्वक रेडी फूड पैकेट्स बांटे गए।

बोहरा समाज उज्जैन के पीआरओ अली असगर मोय्यदी ने बताया कि यह आयोजन 'टुगेदर फॉर अ बेटर टुमारो' के ध्येय और परम पावन सैयदना साहब की प्रेरणा से किया गया। समाज का लक्ष्य उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हर नागरिक के लिए पोषणयुक्त, समृद्ध और खुशहाल भारत का निर्माण करना है।

गढ़कालिका मंदिर की शासकीय पुजारी महंत टीना नाथ बनीं संभाग अध्यक्ष

उज्जैन। सर्वधर्म हिंदू सनातन परिषद के तत्वावधान में निकाली जाने वाली भव्य सनातनी चुनरी यात्रा के लिए मध्य प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रीति बैरागी ने परिषद की टीम का गठन किया है। इसमें गढ़कालिका मंदिर की मुख्य शासकीय पुजारी महंत टीना नाथ को उज्जैन संभाग अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है।

नियुक्ति कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामादल अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रामेश्वरदास महाराज, श्री श्री 108 महंत योगी महावीर नाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, वरिष्ठ समाजसेवी दादा दयालु नारायण यादव और जनपद उपाध्यक्ष शिवानी उपस्थित थीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण और मातृशक्ति मौजूद रही।

गुजरात की थीम पर वैष्णव मंडल के रास गरबा की धूम

800 से अधिक समाजजन हुए शामिल, श्रेष्ठ प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, महिला एवं युवा मंडल के तत्वावधान में चिंतामण मार्ग स्थित अथर्व होटल के सामने गंगा गार्डन में तीन दिवसीय रास गरबा महोत्सव की शुरूआत हुई। महोत्सव के पहले दिन वैष्णव मंडल की टीम ने गुजरात की थीम पर गरबा किया, जिसमें 800 से अधिक वैष्णवजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारिवारिक और सुरक्षित माहौल में आयोजित इस उत्सव में महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया है। यह महोत्सव 17 अक्टूबर तक प्रतिदिन रात 7 बजे से आयोजित होगा।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि इंदौर नाथद्वारा के गोस्वामी 108 श्री वागीश जी बाबाश्री के आशीर्वाद से आयोजित इस महोत्सव के प्रथम दिन मुख्य अतिथि गोवर्धनलाल मेहता, विशेष अतिथि हीरालाल शर्मा और कार्यक्रम अध्यक्ष महेशचन्द्र नागर रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान किया गया। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इनमें बेस्ट गर्ल्स का पुरस्कार अंशिका नीमा, बेस्ट कपल दीपक व सीमा दिसावल, बेस्ट चाइल्ड अविका राणा, बेस्ट गरबा हिमांशु व ममता दिसावल तथा बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार पलक बंसल को दिया गया। संस्थापक संयोजक विट्ठल नागर के मार्गदर्शन में हो रहे इस आयोजन की व्यवस्थाएं मंडल अध्यक्ष जयेश श्रॉफ, कार्यकारी अध्यक्ष निरंजन माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष दीपेश शाह व सचिव मनीष नागर संभाल रहे हैं। युवा मंडल से अध्यक्ष नितीन नीमा, कार्यकारी अध्यक्ष अमर दिसावल, कोषाध्यक्ष आभास शर्मा, सचिव राहुल नागर तथा महिला मंडल से अध्यक्ष पारुल शाह, कार्यकारी अध्यक्ष मनीषा नागर, कोषाध्यक्ष परेशा नीमा और सचिव कामिनी शाह सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।



आधुनिकता की भेंट चढ़ रहा परंपरागत कुटीर उद्योग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

ग्रामीण इलाकों मे एक समुदाय सदैव से ही अपना पारंपरिक गृह उद्योग करता आया है। ये लोग भीषण गर्मियों मे जंगल से खजूर के पत्ते काटकर लाते रहे हैं और परिवार के सदस्य वषार्काल मे घर के अंदर इन पत्तो को छीलकर सुन्दर झाडू बनाते रहे हैं। आधुनिकता के चलते हमारी परंपरागत खजूर झाडू को फूल झाडू ने मात दे दी और अब ये घरेलू उद्योग आखिरी सांस गिनता नजर आ रहा है।

खजूर के लंबे पत्तों मे नुकीले कांटे होते हैं जिनको एक विशेष औजार से महिलाएं छीलती हैं इसी दौरान महिलाओं के हाथ मे नुकीले कांटे चुभ भी जाते हैं और हाथ मे गहरे घाव हो जाते हैं। रोजी रोटी के चलते महिलाएं ये कष्ट उठाकर सुन्दर झाडू बनाती हैं किन्तु आज इनको खरीदनेवाले कम हो गए परिणामस्वरूप उचित दाम नहीं मिलते।

विगत दो दशकों से तेजी से हुए शहरीकरण ने इस घरेलू उद्योग को काफी प्रभावित किया है। पक्के मकानों के चिकने व सपाट फर्श को साफ करने के लिए लोग फूल झाडू को प्राथमिकता दे रहे हैं। फूल झाडू दिखने मे फैंसी है साथ ही इसके अंदर कीडे मकोडे छुप नहीं पाते इसलिए खजूर की झाडू की बिक्री मे मंदी आई है।



कला लुप्त होने की कगार पर

परंपरागत झाडू निर्माण कला हमारी प्राचीन विरासत है। इसमे जब घर के बडे लोग खजूर पत्तों से झाडू बनाते तो बच्चे इसे देखकर सीखते थे। खेल खेल मे बच्चे झाडू बनाने का कौशल सीख जाते और बडे होनेपर अच्छी झाडू बनाते जो उनकी जीविका का साधन बनती थी लेकिन उचित दाम न मिलने से आज झाडू बनाने वाले बच्चों को इससे दूर कर रहे हैं। महंगाई के इस दौर मे एक सामान्य झाडू की कीमत मात्र पन्द्रह रूपए मिलती है जो नाकाफी है। बच्चे पढने मे ध्यान लगा रहे हैं और,ये कला लुप्त होने की कगार पर है।



राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति ही आधारभूत, कथनी से नहीं करनी से आता है बदलाव

अखिल भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका अन्नदानम सीता अक्का ने किया मार्गदर्शित

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सशक्त, संस्कारित और आत्मनिर्भर मातृशक्ति से ही शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण संभव है। समाज में परिवर्तन कथनी से नहीं, बल्कि करनी से होता है। यह बात राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका अन्नदानम सीता अक्का ने उज्जैन विभाग के विजयादशमी उत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में कही।

उन्होंने कहा कि समिति की स्थापना 1936 में वंदनीया लक्ष्मीबाई केलकर ने तेजस्वी राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से की थी। इसका सूत्र वाक्य है कि स्त्री राष्ट्र की आधारशिला है। यदि देश में मां सीता तैयार होंगी, तो श्री राम स्वतः तैयार होंगे। जिस तरह जीजा माता ने छत्रपति शिवाजी को तैयार किया, वैसे ही भारत की नारियों में अनेक शिवाजी गढ़ने का बल है। उन्होंने मातृशक्ति के सर्वांगीण विकास, भारतीय संस्कृति के संरक्षण और समाज में महिलाओं के योगदान पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

उज्जैन विभाग कार्यवाहिका दीपा केवलिया ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नलिनी लंगर ने की। उत्सव के अंतर्गत हुए प्रकट कार्यक्रम में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन व शस्त्र पूजन किया। इसके पश्चात सेविकाओं ने शाखा लगाकर घोष, दंड संचालन, यष्टि, नियुद्ध और व्यायाम योग की शानदार प्रस्तुति दी। इस दौरान सामूहिक व व्यक्तिगत गीत भी प्रस्तुत किए गए।

संस्कृति, शौर्य और सेवा के प्रतीक इस आयोजन का समापन वंदेमातरम से हुआ। कार्यक्रम में उज्जैन विभाग की मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। मुख्य वक्ता अन्नदानम सीता अक्का भाग्यनगर, तेलंगाना की रहने वाली हैं और 1994 से समिति की पूर्णकालिक प्रचारिका के रूप में दायित्व निभा रही हैं।



उज्जैन
शनिवार
17
अक्टूबर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

माधुर्यं अक्षरव्यक्तिः पदच्छेदस्तु सुस्वरः।
धैर्यं लयसमर्थं च षडेते पाठके गुणाः।।

अर्थः माधुर्य, स्पष्ट उच्चारण, मार्ग, मधुर स्वर, धैर्य और तप ये एक पाठक के छह गुण हैं।

खबर एक नजर...

निगम ने बिजली कंपनी की इमारत को माना अवैध, फायर ट्रक जा नहीं सकता

इंदौर। पोलोग्राउंड में बगैर बिल्डिंग परमिशन और फायर एनओसी के बन रही बिजली कंपनी की सात मंजिला इमारत में और भी खामियां मिली हैं। इमारत के लिए जो फायर प्लान बनाया है उसके अनुसार मौके पर व्यवस्था ही नहीं है। बिल्डिंग के चारों तरफ इतनी जगह ही नहीं है कि फायर ब्रिगेड का ट्रक आ सके। उधर, नगर निगम ने इस रहवासी इमारत को अवैध मान लिया है। शुक्रवार को नगर निगम की टीम मौके पर जांच के लिए पहुंची। मौके पर बिजली कंपनी का कोई जिम्मेदार अफसर नहीं आया। फायर एनओसी और बिल्डिंग परमिशन के बगैर इमारत बनने की खबर शुक्रवार को प्रकाशित होने के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने नगर निगम को जांच करने को कहा था। शुक्रवार को निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा फायर एनओसी नहीं होने से बिल्डिंग में किसी को भी रहने की इजाजत नहीं मिलेगी और इसे सील भी किया जा सकता है।

नोटिस के बाद भी मिली गड़बड़ी, मसाला रेस्टोरेंट का पंजीयन निलंबित

इंदौर। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर रेसकोर्स रोड स्थित सांची वीनस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (देसी मसाला) रेस्टोरेंट का खाद्य पंजीयन निलंबित कर दिया है। 11 सितंबर को निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को दूर करने के लिए प्रतिष्ठान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया था, लेकिन तय समय में कमियों का निराकरण नहीं किया गया। वहीं, खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने मानपुर की किराना दुकानों से 10 नमूने लिए। इनमें नमकीन, हल्दी, मिर्च, गुलाब जामुन मिक्स, खड़ा मसाला, चाय, अजवाइन, घी और आटा शामिल हैं। खुले मसालों की बिक्री करने वाले व्यापारियों को पैक्ड सामग्री बेचने के निर्देश दिए गए। गणेश नगर की तीन डेयरियों से दूध, घी और पनीर के 5 तथा नौलखा के नेचुरल मेवा से बादाम-काजू के 2 नमूने लिए। ट्रेजर आइलैंड मॉल के सुरुचि फूड्स चटोरी से भी 5 नमूने लिए। यहां सफाई संबंधी कमियां मिलने पर सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। नमूने जांच के लिए भोपाल भेजे जाएंगे। चलित लैब से 25 नमूनों की जांच- मानपुर में चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से हल्दी, मिर्च, धनिया, तेल और खड़े मसालों के 25 नमूनों की मौके पर जांच की गई।

दो शिक्षिकाओं को कारण बताओ नोटिस

इंदौर। जनविश्वास शिविर में शुक्रवार को जिला पंचायत इंदौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति ने देपालपुर जनपद अंतर्गत पीएमश्री स्कूल बनेड़िया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कॉपियों के मूल्यांकन में त्रुटियां व अध्यापन कार्य की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर नाराजगी जताई। शिक्षिका आयशा खान और सुशीला डटोतिया को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था में सुधार लाने और लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर उम्र की पाबंदी लगाने की मांग

इंदौर। बच्चों को सोशल मीडिया के जरिए होने वाले साइबर बुलिंग, यौन शोषण और हानिकारक सामग्री के खतरों से बचाने के लिए उम्र के आधार पर पाबंदी लगाने की मांग सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। इंदौर के एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल और उसके निदेशक सिद्धार्थ सिंह की जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कानून एवं न्याय मंत्रालय और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को पहले से लंबित एक याचिका के साथ जोड़ते हुए अगली सुनवाई 7 दिसंबर को तय की। एडवोकेट खुशबू जैन के माध्यम से दायर याचिका में सोशल मीडिया कंपनियों के स्वैच्छिक सुरक्षा उपायों को अपर्याप्त बताया गया है। याचिका में सोशल मीडिया खातों के लिए उम्र के आधार पर प्रतिबंध, अनिवार्य आयु सत्यापन और अभिभावकों की सत्यापन योग्य सहमति का प्रावधान करने की मांग की गई है।

लोकायुक्त जांच : खान की 4 नई संपत्तियां और मिलीं

इंदौर। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में पदस्थ प्रधान आरक्षक चालक फिरोज खान के ठिकानों पर लोकायुक्त की सर्च कार्रवाई के बाद जांच में 4 और नई संपत्तियां मिली हैं। ये संपत्ति देवास में सहयोगियों और परिचितों के नाम पर खरीदी गई थी। इनमें ग्राम राजोदा में 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि भी शामिल है। इसके अलावा देवास की अलग-अलग कॉलोनियों में दो प्लॉट और ग्राम लोहाना में कृषि भूमि खरीदी गई है। अब तक 38 संपत्तियों का खुलासा हो चुका है। लोकायुक्त एसपी डॉ. राजेश सहाय के अनुसार अब तक की जांच में फिरोज खान द्वारा खरीदी गई 38 अचल संपत्तियों की जानकारी सामने आई है। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 35 करोड़ से अधिक है।

बीजेपी नेता ने लड़की को गरबा से धक्के देकर भगाया, परिजन से भी बदसलूकी

बैरिकेडिंग कूदकर आया, बांह पकड़कर 5-10 फीट दूर धकेला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर के कनकेश्वरी गरबा पंडाल में 15 साल की लड़की के साथ धक्का-मुक्की का वीडियो सामने आया है। जीजा बाई मंडल के बीजेपी अध्यक्ष कमल चौहान ने लड़की को 3-4 बार धक्का देकर पंडाल से बाहर निकाल दिया। वीडियो में बीजेपी नेता गुस्से में धमकाते नजर आ रहे हैं।

वीडियो में दिख रहा है कि बीजेपी नेता बैरिकेडिंग कूदकर आते हैं और लड़की के परिजन से बहस करते हैं। इसके बाद वे लड़की से बदसलूकी करते हैं। लड़की कहती है, मुझे हाथ मत लगाना, लेकिन वे उसकी बांह पकड़कर धक्का देते रहते हैं।

वीडियो में लड़की करीब 5-10 फीट दूर जाती दिख रही है। मौके पर मौजूद लोग कमल चौहान को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे नहीं रुकते। गाली-गलौज भी की गई। कांग्रेस ने बीजेपी पदाधिकारी को बर्खास्त करने और पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।



एंट्री रोकने पर शुरू हुआ विवाद- जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात शहर के पूर्वी क्षेत्र में आयोजित बड़े गरबा उत्सव में लड़की अपने परिजन के साथ पहुंची थी। वह गरबा खेलना चाहती थी, लेकिन उसे प्रवेश देने से मना कर दिया गया। इसी बात पर आयोजन की व्यवस्था संभाल रहे लोगों से बहस शुरू हो गई। वीडियो में कमल चौहान लड़की से ह्यतू हट जा यहां से कहते सुनाई देते हैं। लड़की उनके व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहती है, यह ठीक नहीं है। वह पुलिस में शिकायत करने की बात भी कहती है।

लड़की के साथ आए लोगों से भी बदसलूकी- इसके बावजूद कमल चौहान लड़की को धक्का देते हैं। लड़की के साथ आए लोगों ने विरोध किया तो उनके साथ भी बदसलूकी की गई। लड़की गरीब परिवार से बताई जा रही है। घटना के बाद से उसके दोबारा आयोजन स्थल पर पहुंचने की जानकारी नहीं मिली है।

कमल चौहान का पक्ष नहीं मिला- मामले में कमल चौहान से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला।

क्या मंडल अध्यक्ष को बर्खास्त करेगी बीजेपी

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने बीजेपी को घेरा। चौरसिया ने कहा- भाजपा इंदौर महानगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा जी गरबा पंडाल में बच्ची से धक्का-मुक्की की गई है। उन्होंने पूछा- क्या आप मंडल अध्यक्ष को बर्खास्त करेंगे। आप तो पंडालों में छोटी बच्चियों को लव जिहाद से बचने की सलाह देकर डर और सांप्रदायिकता का माहौल बनाते रहते हैं।

बीजेपी बोली- क्या इंदौर पुलिस कार्रवाई करेगी

चौरसिया ने इंदौर पुलिस कमिश्नर से भी कहा- पुलिस वीडियो के आधार पर कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा- बेटियों की सुरक्षा भाषणों से नहीं, कार्रवाई से साबित होती है। कानून का राज चलेगा या बीजेपी पदाधिकारियों को संरक्षण मिलेगा। इंदौर की जनता इसका जवाब चाहती है।

इंदौर में 'तारक मेहता' के अब्दुल बोले- उसकी टांग खिंचाई से ही चलता है धंधा

पोपटलाल की शादी हुई तो मेरी दुकान बंद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

पोपटलाल की टांग खिंचाई से ही मेरी दुकान चलती है। उसकी शादी हो गई तो कॉमेडी का यह मजा खत्म हो जाएगा।

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में अब्दुल का किरदार निभाने वाले अभिनेता शरद सांखला ने यह बात मजाकिया अंदाज में इंदौर में कही। उन्होंने कहा कि 18 साल बाद भी यह शो दर्शकों की पहली पसंद बना हुआ है। अब यह केवल मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोगों के लिए टॉनिक बन गया है। रात 8:30 बजे शो देखना कई परिवारों की दिनचर्या का हिस्सा है। शरद सांखला ने शो के लंबे सफर, किरदारों की लोकप्रियता और दर्शकों के जुड़ाव पर बात की। उन्होंने कहा कि किसी कार्यक्रम की सफलता केवल टीआरपी से नहीं मापी जा सकती। असली कामयाबी यह है कि दर्शक उसके किरदारों को अपने परिवार का हिस्सा मानने लगें और हर दिन अगले एपिसोड का इंतजार करें।

चंपक चाचा का किरदार सबसे पसंदीदा- शरद सांखला ने बताया कि शो में उन्हें चंपक चाचा का किरदार सबसे ज्यादा पसंद है। इस भूमिका की खासियत यह है कि एक युवा कलाकार ने पर्दे पर करीब 75 साल के बुजुर्ग का किरदार निभाया। शो की लोकप्रियता किसी एक



कलाकार की वजह से नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है।

पर्दे पर अब्दुल, घर में राजस्थानी मारवाड़ी- शरद सांखला ने अपने असल जीवन और पर्दे के किरदार के बीच का अंतर बताते हुए कहा समाज के लिए मैं अब्दुल हूं, लेकिन घर में कदम रखते ही मैं राजस्थानी मारवाड़ी हूं। उन्होंने बताया कि वे राजस्थान से आते हैं और परिवार के साथ मारवाड़ी में बात करते हैं। शो में अब्दुल की पहचान उसकी सोडा शॉप और गोकुलधाम सोसायटी के लोगों से है। सोसायटी के बाहर रहने के कारण उसका किरदार अंदर और बाहर की दुनिया के बीच एक कड़ी का काम करता है।

ईद और सोडा शॉप के प्रसंगों से जुड़ते हैं दर्शक- सांखला के कहा कि अब्दुल का किरदार केवल सोडा बेचने तक सीमित नहीं है। गोकुलधाम सोसायटी के लोगों के साथ उसके रिश्ते भी उसकी पहचान हैं। ईद के प्रसंग हों या सोडा शॉप टूटने जैसी घटनाएं, इन कहानियों में उसका भावनात्मक पक्ष सामने आता है। यही वजह है कि दर्शक उसके किरदार से जुड़ाव महसूस करते हैं।

पोपटलाल की शादी का इंतजार, लेकिन कुंवारेपन में ही कॉमेडी- पोपटलाल की शादी शो की चर्चित कहानियों में से एक है। उसकी शादी की कोशिशों और बार-बार बनने-बिगड़ने वाले रिश्तों पर दूसरे किरदार उसकी खिंचाई करते हैं। इस सवाल पर सांखला ने चुटकी लेते हुए कहा कि पोपटलाल की शादी हो गई तो उसकी टांग खिंचाई का मौका कम हो जाएगा। उनकी सोडा शॉप की रौनक भी इसी मजाक से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि 18 साल बाद भी शो की लोकप्रियता का बड़ा कारण यही रोजमर्रा का हास्य, किरदारों के बीच की नोकझोंक और परिवार के साथ बैठकर देखने लायक मनोरंजन है।

छह माह त्योहार, बाकी समय नई कहानी की चुनौती

शरद सांखला ने कहा कि त्योहारों के दौरान कहानी के लिए कई विषय मिल जाते हैं, लेकिन साल के बाकी समय दर्शकों को कुछ नया दिखाना लेखकों के लिए चुनौती बन जाता है। करीब छह महीने तक त्योहारों से जुड़े प्रसंगों पर कहानियां बनाई जा सकती हैं। इसके बाद नए विषय तलाशने पड़ते हैं। लेखकों की टीम लगातार नए विचारों पर काम करती है। कलाकार भी रीडिंग के दौरान अपने सुझाव देते हैं। हालांकि, 18 साल के सफर में कुछ कहानियां दोहराव वाली लग सकती हैं। ऐसे में दर्शकों की रुचि बनाए रखने के लिए नए विषयों और नए अंदाज में कहानी पेश करना जरूरी है।

पुराने कलाकारों से भावनात्मक जुड़ाव

शो में दया, रोशन और तारक मेहता जैसे किरदारों में बदलाव को लेकर उन्होंने कहा कि दर्शक किरदार के साथ उसे निभाने वाले कलाकार से भी जुड़ जाते हैं। लंबे समय तक किसी भूमिका में नजर आने वाला कलाकार दर्शकों के मन में अपनी अलग पहचान बना लेता है। ऐसे में कलाकार बदलने पर दर्शकों को पुराने चेहरे की याद आती है।

पूरी क्षमता से नहीं भरे बांध सिंचाई-बिजली पर संकट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

कमजोर मानसून के कारण इस बार नर्मदा बेसिन (अमरकंटक से गुजरात तक) के मप्र के हिस्से वाले करीब 15 जिलों में कम बारिश हुई है। इस कारण नर्मदा नदी के बहाव क्षेत्र के बांधों में इस साल एक हजार मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) यानी एक लाख करोड़ लीटर पानी कम भर पाया है। यह पानी संग्रहण क्षेत्र की क्षमता का 10 फीसदी है। इंदौर की आबादी 35 लाख मानें तो प्रति व्यक्ति 135 लीटर रोज की खपत के हिसाब से 1 लाख करोड़ लीटर इतना पानी होता है कि शहर 5 साल 8 महीने तक इस्तेमाल कर सके।

इसके अलावा, नर्मदा के बहाव क्षेत्र से उपयोग योग्य पानी में भी 21.4% से 25% तक कमी का अनुमान है। हर साल नर्मदा नदी से बेसिन क्षेत्र में 28 मिलियन एकड़ फीट पानी लिया जाता है। इस साल कैचमेंट एरिया में 40% तक कम बारिश हुई है। इस कारण बेसिन एरिया में 21-22 मिलियन एकड़ फीट ही पानी मिलने का अनुमान है। इसका सीधा असर सिंचाई और बिजली उत्पादन पर भी पड़ेगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि मालवा में स्थिति नहीं बिगड़े इसके लिए इंदिरा सागर बांध से गुजरात को दिए जाने वाले 800 एमसीएम पानी की मात्रा घटानी होगी।

प्रदेश को 2400 मेगावाट बिजली मिलती है नर्मदा से

- नर्मदा नदी की कुल लंबाई करीब 1312 किमी है।
- इसमें 1112 किमी हिस्सा मप्र में बहता है।
- इंदौर, भोपाल, जबलपुर, होशंगाबाद, देवास को रोजाना पानी सप्लाई होता है।
- नदी पर बरगी, इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर और सरदार सरोवर जैसे बड़े बांध बने हैं।
- बांधों से मप्र को 2400 मेगावाट बिजली मिलती है।
- 1000 मेगावाट इंदिरा सागर से, 540 मेगावाट ओंकारेश्वर से, 840 मेगावाट सरदार सरोवर से।

लोकायुक्त जांच : खान की 4 नई संपत्तियां और मिलीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में पदस्थ प्रधान आरक्षक चालक फिरोज खान के ठिकानों पर लोकायुक्त की सर्च कार्रवाई के बाद जांच में 4 और नई संपत्तियां मिली हैं। ये संपत्ति देवास में सहयोगियों और परिचितों के नाम पर खरीदी गई थी। इनमें ग्राम राजोदा में 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि भी शामिल है। इसके अलावा देवास की अलग-अलग कॉलोनियों में दो प्लॉट और ग्राम लोहाना में कृषि भूमि खरीदी गई है। अब तक 38 संपत्तियों का खुलासा हो चुका है। लोकायुक्त एसपी डॉ. राजेश सहाय के अनुसार अब तक की जांच में फिरोज खान द्वारा खरीदी गई 38 अचल संपत्तियों की जानकारी सामने आई है। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 35 करोड़ से अधिक है।

1. रोशनी वर्मा के नाम कृषि भूमि : देवास जिले की तहसील, ग्राम राजोदा में 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी गई। कीमत करीब 62 लाख है।

2. साहिल ट्रेडिंग कंपनी के नाम प्लॉट : देवास की शक्ति नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा विकसित शक्ति नगर कॉलोनी में 1,250 वर्गफीट का प्लॉट नंबर 12 खरीदा गया। कीमत करीब 6 लाख है।

इंदौर-देवास बायपास: एनएचएआई ने फोटो दिखाकर कहा- गड्ढे भर दिए

कोर्ट ने याचिकाकर्ता से मांगी मौके की रिपोर्ट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर-देवास बायपास पर गड्ढे भरने के एनएचएआई के दावे की अब मौके पर जांच होगी। शुक्रवार को हाई कोर्ट में एनएचएआई ने मरम्मत के फोटो पेश कर दावा किया कि बायपास के गड्ढे भर दिए गए हैं। प्रशासनिक जज सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस जयकुमार पिल्लई की डिविजन बेंच ने इन फोटो को ही मरम्मत का अंतिम प्रमाण नहीं माना। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से मौके पर जाकर फोटो में दिखाई गई जगहों की वास्तविक स्थिति जांचने और 27 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई में जवाब देने को कहा।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया था कि बायपास की हालत अब भी खराब है। गड्ढों के कारण हादसे हो रहे हैं। याचिकाकर्ता ने पिछले कुछ महीनों में दो



मौतों का दावा भी किया। इनमें गड्ढे में गिरने से एक महिला की मौत का उल्लेख किया गया। याचिकाकर्ता का आरोप था कि हाई कोर्ट के आदेश और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन नहीं हो रहा है।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने एनएचएआई के वकील से पूछा था कि वर्ष 2023 में हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन जारी होने के बाद बायपास पर क्या काम किए गए हैं। शुक्रवार को एनएचएआई ने फोटो पेश कर गड्ढे भरने की जानकारी दी। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता को मौके पर जाकर फोटो का मिलान करने और वास्तविक स्थिति बताने के निर्देश दिए।

याचिका में बायपास पर भारी टोल वसूली के बावजूद पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलने का मुद्दा उठाया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, तेज रफ्तार से चलने वाली कार, बस और ट्रक के सामने अचानक गड्ढे आने से वाहन असंतुलित होते हैं। वाहनों के पार्ट्स टूटते हैं और दोपहिया वाहन चालकों के लिए संभलना मुश्किल होता है।

शिकायत के अनुसार, राऊ चौराहे से तेजाजी नगर तक अपेक्षाकृत कम परेशानी है, लेकिन देवगुराड़िया से अर्जुन बड़ौद तक जगह-जगह गड्ढे हैं। सीमेंट की सड़क उखड़ गई है और पैचवर्क वाली जगहों से डामर निकल गया है। बिचौली मर्दाना, कनाडिया और झलारिया फ्लाईओवर पर भी परेशानी बताई गई है।

एमआर-10 के पास बायपास से सर्विस रोड पर जाने वाले हिस्से में गहरे गड्ढे होने की शिकायत है। कॉपी में उल्लेख है कि दोपहिया वाहन इन गड्ढों में काफी नीचे तक उतर जाते हैं। फ्लाईओवर और सर्विस रोड के कई हिस्सों में स्ट्रीट लाइट बंद होने से भी परेशानी होती है।

उद्योगों को 3 साल निरीक्षण से छूट, मंजूरी में देरी हुई तो फाइल खुद-ब-खुद आगे बढ़ेगी

जीआईएस-2027 से पहले ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नियम लागू

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना और संचालन को सरल बनाने व सरकारी मंजूरियों में होने वाली देरी को खत्म करने के लिए राज्य सरकार के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने मप्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम-2026 के तहत नए नियम जारी किए हैं। ये नियम राज्य के अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों में लागू होंगे। भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 से पहले जारी इन नियमों का मुख्य उद्देश्य एकीकृत डिजिटल व्यवस्था के जरिए पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाना है।

उद्योगों को मिलने वाली प्रमुख राहत-



स्थापना के लिए 3 साल का प्रमाण-पत्र : अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित होने वाले पात्र श्वेत और हरित श्रेणी के उद्योग ऑनलाइन स्व-घोषणा के आधार पर स्थापना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे। इसकी वैधता जारी होने की तारीख से 3 साल या वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने तक (जो भी पहले हो) रहेगी। इस दौरान उन्हें नियमित सरकारी निरीक्षणों से छूट मिलेगी।

- **2 साल की वैधता वाला संचालन प्रमाण-पत्र :** वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के लिए स्व-घोषणा के आधार पर 2 साल की वैधता वाला संचालन प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। पात्र उद्योगों को इस अवधि में भी नियमित निरीक्षणों से छूट का प्रावधान है।
- **आवेदन में कमी बताने की 7 दिन की सीमा :** संबंधित विभाग आवेदन प्राप्त होने के सात दिन के भीतर केवल एक बार में ही स्पष्टीकरण या अतिरिक्त दस्तावेज मांग सकेंगे।
- **ऑटो-एस्केलेशन और डीम्ड अप्रूवल :** निर्धारित समय सीमा में आवेदन का निराकरण न होने पर वह स्वतः अगले उच्च अधिकारी को ट्रांसफर (ऑटो-एस्केलेट) हो जाएगा। नए ड्राफ्ट में डीम्ड अप्रूवल का भी प्रावधान है।

एकीकृत निगरानी और शिकायत निवारण

राज्य नोडल एजेंसी : एमपीआईडीसी को राज्य की मुख्य नोडल एजेंसी बनाया है। एकीकृत पोर्टल पर निवेश आशय दर्ज करने, यूनिक प्रोजेक्ट आईडी, संयुक्त आवेदन प्रारूप, डिजिटल दस्तावेज भंडार, ऑनलाइन भुगतान और आवेदन ट्रैकिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

राज्य स्तरीय समिति : मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य निवेश संवर्धन समिति का गठन किया है।

जिला स्तरीय समीक्षा : जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित निवेश सुविधा समिति विभागीय समन्वय और लंबित मामलों की समीक्षा करेगी। निवेशकों की शिकायतों के समाधान के लिए ऑनलाइन व्यवस्था और सहायता केंद्र का प्रावधान भी किया है।

खबर एक नजर...

कागजों में स्वच्छता, जमीन पर गंदगी, काम अधूरा

भोपाल। सरकारी रिकॉर्ड और पोर्टल की रंगीन फाइलों में मध्य प्रदेश के 50 हजार 915 गांव पूरी तरह खुले में शौचमुक्त (ओडीएफ प्लस) घोषित होकर ह्यआदर्शह्ल बन चुके हैं। लेकिन जमीनी सच कोसों दूर है। हकीकत यह है कि नब्बे फीसदी से अधिक पंचायतों ने एक भी स्वच्छता मानक पूरा किए खुद प्रमाण-पत्र जारी कर ओडीएफ प्लस का तमगा दे दिया। अफसरों ने भी बिना जांच-पड़ताल दफ्तरों में बैठकर फर्स्ट वेरिफिकेशन में हां लिखकर इन फर्जी दावों पर मुहर लगा दी।? स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के आधिकारिक एमआईएस पोर्टल के अनुसार, प्रदेश के 55 जिलों की 22,708 ग्राम पंचायतों में आने वाले 51,043 गांवों में से 50,915 गांव ओडीएफ प्लस स्वघोषित हो चुके हैं। इनमें 50,851 गांवों को ह्यओडीएफ प्लस मॉडलह्ल की सर्वोच्च श्रेणी में दिखाया गया है। 40,114 गांवों का प्रथम सत्यापन भी पूरा दर्ज है। कागजों में मप्र शौचमुक्त और स्वच्छ हो चुका है लेकिन गांवों में प्रवेश करते ही सड़ांध मारते कचरे के ढेर, सड़कों पर बहता बदबूदार पानी और खुले में शौच जाते ग्रामीण करते हैं।?

प्रेमी बोला-वो एक्सीडेंट में मर गई, अंतिम संस्कार कर दिया

भिंड। भिंड में प्रेमी ने अपनी लिवइन पार्टनर की हत्या कर शव को मगरमच्छों वाली नदी में फेंक दिया। जब प्रेमिका की मां का फोन आया तो उसे कहा कि, बेटी का एक्सीडेंट हो गया है। बेटी कहां है पूछने पर वो बोला- वह मर गई, हमने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

ये कहानी भिंड में नर्सिंग ऑफिसर हत्याकांड मामले में सामने आई है। महिला के भाई ने बताया कि बहन को उसका प्रेमी मारता था, एक बार सिर तक फोड़ डाला था। भिंड में लिव-इन में रह रही नर्सिंग ऑफिसर स्नेहलता ने 8 अक्टूबर शाम करीब 6 बजे परिवार से फोन पर बात की। शाम 7 बजे के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। दो दिन तक संपर्क नहीं होने पर परिजनों ने सत्यप्रकाश से पूछताछ की। उसने परिजनों से कहा, उसका और स्नेहलता का एक्सीडेंट हुआ था। पहले उसने स्नेहलता की स्थिति की जानकारी नहीं होने की बात कही, फिर उसकी मौत और अंतिम संस्कार कर देने का दावा किया। उसने अस्थियां चंबल नदी में बहाने की बात भी कही।

1001 फीट की चुनरी लेकर निकले 6 हजार श्रद्धालु

बिलकिसगंज। बिलकिसगंज के ढाबला केलवाड़ी से शुक्रवार को सिद्ध मां महिषासुर मर्दिनी दरबार झागरिया तक निकली 1001 फीट की चुनरी यात्रा में करीब 5 से 6 हजार श्रद्धालु शामिल हुए। माता के जयकारों, बैंड-बाजे और डीजे की धुन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। करीब 7 किलोमीटर लंबी यात्रा में महिला-पुरुष हाथों में चुनरी लेकर आगे बढ़ते रहे। गुरुजनों की उपस्थिति में स्थानीय मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद यात्रा शुरू हुई। इसमें 4 घोड़े और 3 बग्घियां आकर्षण का केंद्र रहीं। बग्गियों में दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों में सजी कन्याओं और गुरुजनों को विराजमान कराया गया। हनुमान स्वरूप में सजे व्यक्ति ने भी श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा। संत दुगार्दास कटारे बाबा, पंडित मोहित पाठक सहित अन्य गुरुजन यात्रा में शामिल रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष रचना सुरेंद्र सिंह मेवाड़ा का जोड़े सहित फूल-मालाओं से स्वागत किया गया।

कलश के नारियल में निकला अंकुर, मां राजेश्वरी के दरबार में बढ़ी आस्था

भैरूंदा। भैरूंदो ग्राम रिठवाड़ स्थित मां राजेश्वरी के दरबार में इस नवरात्रि कलश पर स्थापित नारियल में अंकुर निकलने का प्रसंग श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। भक्त इसे माता की कृपा और शुभ संकेत मान रहे हैं। पिछले 19 वर्षों से यह दरबार आस्था का केंद्र बना हुआ है। नवरात्रि में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी भक्त माता के दर्शन, पूजन और आराधना के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं के अनुसार, माता के स्वरूप में दिन के अलग-अलग समय पर बदलाव दिखाई देता है। मान्यता है कि सुबह माता बाल रूप में, दोपहर में युवा स्वरूप में और शाम को वृद्ध स्वरूप में दर्शन देती हैं। भक्तों का विश्वास है कि दरबार में होने वाले ऐसे अनुभव उनकी आस्था को और मजबूत करते हैं। श्रद्धालुओं के अनुसार, कभी-कभी माता के ऊपर से पुष्प मिलने की घटना भी होती है। इस नवरात्रि कलश के नारियल में अंकुर निकलने के प्रसंग के बाद मंदिर को लेकर श्रद्धालुओं की उत्सुकता और बढ़ी है।

भटके बालक को डायल-112 ने परिजन से मिलाया

भोपाल। कोलार रोड थाना क्षेत्र में दानिश चौराहा के पास खेलते समय 3 वर्षीय बालक घर का रास्ता भटक गया। मामले की सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को 15 अक्टूबर को शाम 04:15 बजे मिली। इसके बाद क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को तुरंत मदद के लिए रवाना किया गया।

मौके पर पहुंचकर प्रधान आरक्षक संतोष मीणा और पायलट सत्येंद्र परमार ने बालक को सुरक्षित संरक्षण में लिया। टीम ने आसपास के इलाके में परिजन की तलाश की। इस बीच बालक के परिजन उसे खोजते हुए वहां पहुंच गए।

मप्र में दो चक्रवात का असर; अगले 4 दिन सागर, जबलपुर संभाग भी भीगेंगे

ग्वालियर-उज्जैन समेत 21 जिलों में आज बारिश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश से मानसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन बारिश का दौर अब भी जारी है। पिछले दो दिनों से ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग में बारिश हो रही है। मौसम केंद्र भोपाल ने शनिवार को प्रदेश के 21 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अगले 24 घंटे में ग्वालियर, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, रतलाम, झाबुआ, धार, आलीराजपुर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की भी संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव हैं। इसके चलते अगले 4 दिनों तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर, नर्मदापुरम, रीवा और जबलपुर संभाग के जिलों में मौसम बदला रहेगा।



18 और 19 अक्टूबर को नीमच, मंदसौर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सीधी, मऊगंज, सिंगरौली, सिवनी और बालाघाट में बारिश होने का अनुमान है। 20 अक्टूबर से मौसम प्रणाली कमजोर पड़ने लगेगी। इसके बाद तेज बारिश की संभावना नहीं है। इससे पहले गुरुवार को चंबल और उज्जैन संभाग के उत्तरी 5 जिले- श्योपुर, भिंड, मुरैना, नीमच और मंदसौर में बारिश रिकॉर्ड की गई।

प्रदेश से लौट चुका मानसून, पर बारिश जारी

प्रदेश से 3 अक्टूबर को ही मानसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन मौसम प्रणाली सक्रिय होने के कारण बारिश का दौर फिर शुरू हो गया है। पिछले एक सप्ताह से पूर्वी हिस्से के जिलों में आंधी-बारिश का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो अक्टूबर में बारिश, गर्मी और ठंड तीनों का असर देखने को मिलता है। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। अक्टूबर की शुरुआत में मौसम साफ हो गया था और धूप खिलने लगी थी। वहीं, रात में ठंडक महसूस हो रही है और कई जिलों में बारिश भी हो रही है। इस बार प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून करीब 100 दिन तक सक्रिय रहा है।

इस साल सामान्य से कम हुई बारिश

दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर) के दौरान प्रदेश में कुल 908.4 मिमी यानी, 35.8 इंच (95.9 प्रतिशत) बारिश हुई। यह सामान्य बारिश 37.3 इंच (949.5 मिमी) की तुलना में 1.5 इंच कम है। वहीं, ओवरऑल 4 प्रतिशत कम पानी गिरा। पूर्वी हिस्से में 4 प्रतिशत ज्यादा और पश्चिमी हिस्से में औसत से 12 प्रतिशत बारिश कम हुई है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में आंकड़ा चार प्रतिशत ज्यादा है। अधिकांश जिलों में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है, लेकिन बालाघाट, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, रीवा, सागर, सिवनी में 5 प्रतिशत से 21 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। वहीं, पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, अशोकनगर, बड़वानी, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 9 प्रतिशत से 51 प्रतिशत कम पानी गिरा है।

सिंहस्थ के लिए संवर रहा शिवलोक, ओंकारेश्वर में 6 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ खण्डवा

उज्जैन सिंहस्थ-2028 के तहत ओंकारेश्वर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को नए रास्ते, पार्किंग में होल्डिंग एरिया से नियंत्रित किया जाएगा। एक अनुमान के तहत उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं में से तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में लगभग 6 करोड़ लोगों के आने की संभावना है, जो पिछले सिंहस्थ-2016 में आए 50 लाख भक्तों से 12 गुना अधिक रहेगी। इसलिए ओंकारेश्वर में उज्जैन सिंहस्थ 2028 की तैयारियों पर 938.42 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह राशि सिंहस्थ 2016 में किए गए 84.29 करोड़ के खर्च से 854.13 करोड़ रुपए ज्यादा है।

भीड़ नियंत्रण के लिए ओंकारेश्वर-सिद्धवरकूट से एक नए रास्ते सस्पेंशन ब्रिज से जुड़ जाएगा। इंदौर की ओर से आने वाले अधिकांश श्रद्धालु बड़वाह से सिद्धवरकूट तक पहुंचेंगे। जहां से सिद्धवरकूट से ओंकार पर्वत को जोड़ने वाले सस्पेंशन ब्रिज से ओंकार मठ घाट होते हुए मंदिर पहुंचेंगे। वहीं मोरटक्का-सनावद से ओंकारेश्वर आने वाली सड़क पर मोरटक्का नहर के पास दो अस्थायी होल्डिंग एरिया और नए बस स्टैंड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, प्रसादालय, कुबेर भंडारी में पार्किंग कम होल्डिंग एरिया में भीड़ को नियंत्रित करेंगे। ओंकारेश्वर से खेड़ी-मोरटक्का तक 12 किमी में नर्मदा और कावेरी नदी के किनारे 163.23 करोड़ से 8 घाट बन रहे हैं। सुरक्षित स्नान के लिए रेलिंग और कुंड बनाए जा रहे हैं। ब्रह्मपुरी पर 265.93 मीटर, पुराने ब्रिज व नागर घाट के बीच 284.20 मीटर, संगम क्षेत्र 320 मीटर, खेड़ी 215 मीटर और मोरटक्का में 175 मीटर का घाट बन रहा है।

मंदिर में हत्या की कसम खाई, फिर कुल्हाड़ी से काटा

सूदखोर की गर्दन पर 5, सिर पर 2 वार किए;

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ग्वालियर

ग्वालियर में एक सूदखोर की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसकी गर्दन पर 5 और सिर पर 2 वार किए। मृतक की पहचान पुरुषोत्तम गुर्जर (35) के रूप में हुई है। वह ब्याज पर पैसे देने का काम करता था। वारदात 14 अक्टूबर झांसी रोड थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने शुक्रवार को मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने मृतक के ही गांव के 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी 20% ब्याज और रोज-रोज की मानसिक प्रताड़ना से परेशान थे। इसी वजह से उन्होंने पुरुषोत्तम की हत्या की साजिश रची।

पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने शीतला माता मंदिर जाकर बाकायदा प्रण लिया था। इसके बाद वे माता की माला पहनकर घटनास्थल पर पहुंचे और पुरुषोत्तम की हत्या कर दी। घटनास्थल पर गेंदे के फूल भी मिले थे, जिनके आधार पर पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिली। पूछताछ में सामने आया कि छोटी मढ़ैया गांव के रहने वाले रमन गुर्जर, राधाकृष्ण गुर्जर, छोटू उर्फ राहुल और विजय उर्फ खैरी ने पुरुषोत्तम से 20% ब्याज पर 10 लाख रुपए उधार लिए थे।



पत्नी मायके गई, इधर बना लिया शिकार- 13 अक्टूबर की रात पुरुषोत्तम की पत्नी अपने भाई के एक्सीडेंट की खबर मिलने पर मायके पृथ्वीपुरा गई हुई थी। घर पर पुरुषोत्तम अकेला था और बाहर सो रहा था। रात करीब 11 बजे आरोपी रमन गुर्जर ने उसे नींद से जगाया और कहा, चलो, ब्याज के पैसों का हिसाब कर लेते हैं। पैसे दे देता हूं। आरोपियों की बातों में आकर पुरुषोत्तम घर के पास स्थित भागीरथ के खेत में उनके साथ चला गया। वहां बातचीत के दौरान चारों ने अचानक उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोप है कि चारों ने बारी-बारी से उसकी गर्दन पर वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई।

स्पॉट पर मिले गेंदे के फूल से सुलझी कत्ल की गुत्थी

ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र के केदारपुर के पास छोटी मढ़ैया में 14 अक्टूबर की सुबह भागीरथ गुर्जर के खेत में पुरुषोत्तम गुर्जर का खून से लथपथ शव मिला था। उसकी गर्दन और सिर पर कुल्हाड़ी से कई वार किए गए थे। पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची तो घटनास्थल के पास एक चबूतरे पर गेंदे के फूल मिले। शुरुआती जांच में सामने आया कि वारदात से पहले आरोपी शीतला माता मंदिर गए थे। वहां पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने पुरुषोत्तम की हत्या करने की अनुमति मांगी। इसके बाद वे मंदिर से माला पहनकर घटनास्थल पर पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया।

---

900 दुकानों के बीच सुलग रही भट्टियां

भोपाल के न्यू मार्केट में खतरे के बीच छोले-भटूरे खा रहे लोग



ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

राजधानी भोपाल के न्यू मार्केट में कपड़ा, ज्वैलर्स समेत करीब 900 दुकानों के बीच भट्टियां भी सुलग रही हैं। जिस छोले-भटूरे की दुकान में 8 अक्टूबर को भीषण आग लगी, वहां से सिर्फ 50 फीट दूर ही 3 दुकानें और हैं। यहां खतरे के बीच ही भटूरे तले जा रहे हैं।



जांच में खुलासा हुआ कि इन दुकानों पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं है। दुकान की न तो फायर और न ही इलेक्ट्रिक एनओसी है। फायर एक्सटिंग्विशर जरूर हैं, लेकिन कोने में रखे हैं। यदि आग लग जाए तो इन्हें चलाने के लिए कर्मचारी भी प्रशिक्षत नहीं है।

कलकत्ता छोले-भटूरे: जिस जगह पर छोले तले जा रहे, उसके ऊपर ही धूप से बचने के लिए रिट्रैक्टेबल अवनिंग लगी है। जरूरत के हिसाब से इसे खोल और बंद कर सकते हैं। यहां आग बुझाने के लिए एक्सटिंग्विशर तो है, लेकिन इन्हें चलाना नहीं आता।

देहली के छोले-भटूरे: यहां किचन इतना छोटा है कि 2 कर्मचारी मुश्किल से बैठकर भटूरे तलते हैं। ऐसे में आग लग जाए तो कर्मचारी निकल ही नहीं सके। बिजली के तार भी खुले हुए हैं।

पंजाब छोले-भटूरे: फायर और इलेक्ट्रिक एनओसी नहीं मिली। कई जगहों से बिजली के तार खुले मिले। फायर एक्सटिंग्विशर तो है, लेकिन कोने में रखे हैं।

अब शिफ्टिंग पर जोर

फायर ऑफिसर सौरभ पटेल ने बताया कि दुकान में अग्निशामक यंत्र होने चाहिए। कर्मशियल सिलेंडर ही होना चाहिए। भट्टियां नहीं होना चाहिए। जांच में सामने आया कि भट्टियां पाई गईं। देहली के छोले-भटूरे में ऊंचाई पर बैठकर कर्मचारी भटूरे तलते हुए मिला। इलेक्ट्रिक सर्टिफिकेट किसी के पास नहीं है। बिजली के तार भी खुले ही पड़े हैं। इन सभी खामियों के चलते दुकानों को शिफ्ट करने का प्लान है।

8 अक्टूबर को लगी थी भीषण आग

बालाजी छोटे भटूरे दुकान में 8 अक्टूबर को भीषण आग लगी थी। आग ने पास की 5 बड़ी दुकानों और 12 से ज्यादा रेहड़ियों को चपेट में ले लिया था। इससे करोड़ों रुपए का नुकसान हो गया। जिस जगह आगजनी हुई थी, उससे 100 फीट की दूरी पर ही दो और छोले भटूरे की दुकानें खुली हुई है। इसके पास में दो से तीन नमकीन दुकानें भी हैं। जहां पर सुबह से रात तक भट?टी जलती है। ऐसे में फिर से हादसा होने की संभावना है।

8 अक्टूबर को बालाजी छोला भटूरे दुकान में आग लगी थी और इसके बाद पास की अन्य दुकानें भी चपेट में आ गई थीं। इस मामले में टीटी नगर पुलिस ने आम्रपाली रेस्टोरेंट के संचालक पवन अग्रवाल की शिकायत पर छोला भटूरे की दुकान के संचालक दीप उर्फ दीपू अग्रवाल के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़; आरोपी ने जुर्म कबूला

भोपाल में 12 साल की बच्ची की गला घोंटकर हत्या, मुंह में कपड़ा ठूंसा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

भोपाल के बैरागढ़ में 12 साल की बच्ची की हत्या कर दी गई। उसका शव कृष्णा कॉम्प्लेक्स के पीछे एक खंडहर में मिला। बच्ची के दोनों अगले दांत टूटे थे और शरीर के निचले हिस्से पर कपड़े नहीं थे। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। बच्ची के शरीर में संदिग्ध जहर मिलने की बात भी सामने आई है। हालांकि, शॉर्ट पीएम रिपोर्ट अभी पुलिस को नहीं सौंपी गई है। डॉक्टरों ने अधिकारियों से बातचीत में बच्ची के प्राइवेट पार्ट के साथ छेड़छाड़ की पुष्टि की है। पुलिस रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ सकती है। रेप की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में हिरासत में लिए गए आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी भी कचरा बीनने का काम करता है। मेडिकल परीक्षण के बाद शनिवार को उसे भोपाल जिला न्यायालय में पेश किया जाएगा।

शुक्रवार सुबह एक बच्ची कचरा बीनने के लिए खंडहर के पास पहुंची थी। वहां शव देखकर उसने आसपास के लोगों को सूचना दी। उसने मृतका की दादी को भी बताया। इसके बाद दादी थाने पहुंचीं और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर बैरागढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। घटनास्थल से बच्ची के कपड़े, पॉलिथीन में आपत्तिजनक सामग्री और लोहे की रॉड के टूटे हुए टुकड़े मिले हैं। बच्ची के दोनों अगले दांत टूटे मिलने के मामले में पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी ने विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की थी। पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और आरोपी से पूछताछ के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

मप्र केमिस्ट एसोसिएशन चुनाव में गौतमचंद धींग लगातार सातवीं बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

अशोक पटेरिया बने संगठन सचिव, अन्य पदों के लिए 31 अक्टूबर से इंदौर में होगा मतदान

उज्जैन। मध्य प्रदेश केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के चुनाव में समर्पित पैनल के गौतमचंद धींग लगातार सातवीं बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। उनके साथ छतरपुर के अशोक पटेरिया को भी निर्विरोध संगठन सचिव निर्वाचित किया गया है।

उज्जैन जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सचिव मनोज दुग्गड़ ने बताया कि आगामी 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को इंदौर में प्रदेश के 52 जिलों के लगभग 2000 केमिस्ट प्रतिनिधियों की उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी। इसमें अन्य पदों के निर्वाचन के लिए मतदान की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। दुग्गड़ ने बताया कि 31 अक्टूबर को सुबह 11 बजे कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

गौतमचंद धींग और अशोक पटेरिया के निर्विरोध निर्वाचित होने पर उज्जैन जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम त्रिपाठी, सचिव मनोज दुग्गड़, सिद्धेश्वर दास, अजय जसोरिया, कर्मेन्द्र नामदेव, सतपाल सिंह अरोरा, राजेन्द्र झालानी, राकेश बोबल, निलेश सक्सेना, नासिर अहमद एवं समस्त कार्यकारिणी ने बधाई प्रेषित की है। पदाधिकारियों ने शेष निर्वाचन में सभी केमिस्ट मतदाता प्रतिनिधियों से अपने मत द्वारा समर्पित पैनल के सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाने की

धार में अभी से ट्यूबवेल बंद, उज्जैन में सिर्फ 70 दिन का पानी बचा

कम बारिश: मध्यप्रदेश के 11 जिलों में इंदौर जैसे जलसंकट की आहट

मानसून लौटे अभी कुछ दिन ही बीते हैं कि अभी से ट्यूबवेल कम पानी उगल रहे हैं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

इंदौर जैसे जलसंकट की आहट मध्य प्रदेश के 11 जिलों में सुनाई देने लगी है। इन जिलों में सामान्य से 80% या उससे कम बारिश हुई है। नदियों में पानी कम है और डैम भी पूरी तरह नहीं भर सके हैं। ऐसे में गर्मी से पहले ही जलसंकट का खतरा बढ़ने लगा है।

इंदौर की 40 लाख आबादी को पानी देने वाले जलस्रोत भी खाली होने लगे हैं। भीषण जलसंकट की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने सरकार से 50 करोड़ रुपए का पैकेज मांगा है। धार में हालात ज्यादा चिंताजनक हैं। यहां अक्टूबर में ही ट्यूबवेलों से कम पानी आ रहा है। उज्जैन में सिर्फ 70 दिन का पानी बचा है। पानी की कमी से पेयजल व्यवस्था के साथ सिंहस्थ की तैयारियां भी प्रभावित हो सकती हैं। शहर में भूजल स्तर गिरकर 200 फीट तक पहुंच गया है।

वहीं, प्रभावित जिलों को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग उठ रही है, लेकिन अब तक जलसंकट से निपटने के लिए कोई ठोस योजना तैयार नहीं हुई है।



उज्जैन में इस बार औसतन 682 मिमी यानी करीब 27 इंच बारिश हुई, जबकि यहां सामान्य बारिश 35 इंच है। कम बारिश के कारण शहर को पानी सप्लाई करने वाला गंभीर डैम पूरी तरह नहीं भर पाया। डैम की क्षमता 2,250 एमसीएफटी है, लेकिन इस बार इसमें पानी का स्तर केवल 636 एमसीएफटी तक पहुंचा। इसमें से 100 एमसीएफटी डेड स्टोरेज घटाने के बाद जलापूर्ति के लिए उपलब्ध पानी से सिर्फ 70 दिन, यानी 22 दिसंबर तक ही पानी सप्लाई किया जा सकेगा। उज्जैन निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह ने बताया कि इससे पहले, इस साल जून में भी गंभीर डैम में पानी की कमी के चलते रोजाना जलप्रदाय के लिए नर्मदा की पाइपलाइन से पानी लिया गया था।

गेहूं का रकबा 75% तक घटेगा

भारतीय किसान संघ से जुड़े किसानों ने बताया कि इस बार गेहूं का रकबा 75% तक घटेगा। जिसके चलते खाद्यान की कमी तो होगी ही, साथ में महंगाई भी बढ़ेगी। इधर, मालवा में होने वाला लहसुन प्याज का रकबा भी 70 प्रतिशत तक कम होगा।

धार में 49.45% कम बारिश, खेती पर संकट

धार में इस बार सिर्फ 25.84 इंच बारिश हुई है, जो सामान्य से करीब 10 इंच कम है। 2025 में यहां औसतन 51.13 इंच बारिश हुई थी। कम बारिश का असर अब खेतों से लेकर बाजार तक दिखने की आशंका है। किसान लगातार जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग कर रहे हैं। पर्याप्त बारिश होने पर किसान गेहूं, लहसुन, प्याज और मटर समेत कई फसलें उगाते हैं, लेकिन इस बार पानी की कमी को देखते हुए कई किसान चना, तिवड़ा, तुकमरी (तुकमारिया), रायड़ा और कम पानी में होने वाली दूसरी फसलों की बुवाई कर रहे हैं। पानी की कमी के कारण कई बोरिंग अभी से बंद हो गए हैं, जबकि कुछ में रुक-रुककर पानी आ रहा है। इससे सिंचाई करने में परेशानी हो रही है और फसलों का उत्पादन घटने की आशंका है।

लालघाटी पर डेढ़ लाख लोग रोज जाम में, 2 करोड़ रुपए मुआवजा दिया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

लालघाटी पर रोज करीब डेढ़ लाख लोग जिस जाम में फंसते हैं, उसकी वजह सिर्फ बिजली का सब-स्टेशन नहीं, बल्कि हाईवे के लिए अधिग्रहित जमीन पर कब्जे भी हैं। वीआईपी रोड से लालघाटी की ओर मुड़ते ही सर्विस लेन 5 मीटर से भी कम रह जाती है, जबकि इसे 7 मीटर चौड़ा बनाया जाना था।

सरकारी रिकॉर्ड की पड़ताल में सामने आया कि 2019 में सड़क चौड़ीकरण के लिए 2.11 करोड़ रुपए का मुआवजा तय हुआ। जमीन एनएचएआई के नाम दर्ज भी हो गई, लेकिन सात साल बाद भी पूरी तरह खाली नहीं हुई। यहां दुकानें, पटाखा गोदाम और विद्युत सब-स्टेशन मौजूद हैं। इसी कारण इंदौर-उज्जैन जाने वाली बसों से लेकर एंबुलेंस और स्कूल वाहन तक जाम में फंसते हैं। एसडीएम (भू-अर्जन) हुजूर ने 25 फरवरी 2019 को हलालपुर के खसरा नंबर 82 सहित आसपास की जमीन के लिए 2,11,80,490 रुपए का मुआवजा तय किया था। अवार्ड में जमीन सड़क परिवहन मंत्रालय और एनएचएआई के नाम दर्ज करने के निर्देश थे। रिकॉर्ड में नामांतरण भी हो गया।

कृति सेनन के पैर छूने लगा फैन, वीडियो वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसमें एक फैन अचानक उनके पास पहुंचकर पैर छूने लगता है। कृति ने स्थिति को सहजता से संभाला। इससे पहले भी सुष्मिता सेन, अक्षय कुमार, सिद्धार्थ मल्होत्रा, हनी सिंह और सनी देओल जैसे सितारों से जुड़े ऐसे वीडियो सुर्खियां बटोर चुके हैं। कृति इन दिनों अपनी आने वाली हॉरर फिल्म और रक्षाबंधन के विज्ञापन से जुड़े विवाद को लेकर भी चर्चा में हैं। वायरल वीडियो में एक फैन कृति सेनन के पास पहुंचकर अचानक उनके पैर छूने लगता है। उसकी इस हरकत से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह एक्ट्रेस के प्रति सम्मान या प्रशंसा जाहिर करना चाहता था। फिल्मी सितारों के प्रति प्रशंसकों की दीवानगी अक्सर दिखती है। कोई उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए उत्साहित रहता है, तो कोई उनसे मिलकर खुशी जाहिर करता है। भारतीय परंपरा में पैर छूना सम्मान जताने का एक तरीका माना जाता है।

कृति सेनन का यह वीडियो सितारों और उनके प्रशंसकों के बीच ऐसे दूसरे पलों की याद दिलाता है, जब फैंस ने कलाकारों के पैर छूकर सम्मान जताया।



अक्टूबर 2025 में सुष्मिता सेन का एक वीडियो चर्चा में आया था। इसमें एक प्रशंसक उनके पैर छूकर सम्मान जाहिर करता दिखा। वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा था।

फरवरी 2024 में मुंबई एयरपोर्ट पर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ भी ऐसा पल देखने को मिला। एक फैन ने अचानक उनके पैर छू लिए, जिससे अभिनेता हैरान रह गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा। जुलाई 2024 में सिंगर यो यो हनी सिंह के साथ भी ऐसा हुआ।

हनी सिंह को साइबर सेल से राहत नहीं, 22 अक्टूबर को पेश होने की मांग खारिज

रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। महाराष्ट्र साइबर सेल ने कॉन्सर्ट में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पूछताछ के लिए 16 अक्टूबर को पेश होने के समन को टालने की उनकी मांग खारिज कर दी है। हनी सिंह ने 22 अक्टूबर को पेश होने की अनुमति मांगी थी। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर वे तय तारीख पर पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (छडउ) जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

महाराष्ट्र साइबर सेल ने हनी सिंह को कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें इससे पहले भी पेश होने के लिए समन भेजे गए थे, लेकिन वे पूछताछ में शामिल नहीं हुए। समाचार एजेंसी अठक के मुताबिक, हनी सिंह ने पहले 5 अक्टूबर को पेश होने में असमर्थता जताई थी और इसके बाद अतिरिक्त समय मांगा था। बताया गया कि उन्होंने विदेश में होने के कारण पेश नहीं हो पाने की बात कही थी। इसके बाद साइबर सेल ने उन्हें 16 अक्टूबर को पेश होने के लिए दोबारा समन भेजा। हनी सिंह ने अब पूछताछ के लिए 22 अक्टूबर को पेश होने की अनुमति मांगी थी, लेकिन महाराष्ट्र साइबर सेल ने उनकी इस मांग को स्वीकार नहीं किया।



तनुश्री दत्ता के आरोपों पर बोले नाना पाटेकर के बेटे...

दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर के बेटे मल्हार पाटेकर ने अभिनेत्री तनुश्री दत्ता के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में मल्हार ने बिना नाम लिए कहा कि जिस केस को बेवजह उठाया जा रहा है, वह अदालत से पहले ही खत्म हो चुका है।

सच हमेशा सच रहेगा और ऐसे लोगों का भगवान भला करे। 8 अक्टूबर को गोवा में 75 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से नाना पाटेकर का निधन हुआ था। इसके बाद तनुश्री दत्ता ने उनके निधन पर सवाल उठाए थे।

मल्हार बोले- लोग बेवजह बयानबाजी कर रहे

बातचीत में मल्हार पाटेकर ने कहा कि कुछ लोग जिस विवाद को फिर से उठा रहे हैं, उस पर कानूनी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मल्हार ने कहा, ₹बिना किसी का नाम लिए मैं कहना चाहता हूं कि जिस केस को लोग बेवजह सामने ला रहे हैं, वह खत्म हो चुका है। न्यायपालिका से सब क्लियर हो चुका है। इसके बाद भी लोग बोल रहे हैं। ऐसे लोगों को मैं कुछ नहीं कहूंगा। जो सच है, वही रहेगा। भगवान उनका भला करे।

तनुश्री दत्ता ने निधन पर उठाए थे सवाल

नाना पाटेकर के निधन के बाद तनुश्री दत्ता ने उनके देर रात अंतिम संस्कार पर सवाल किए थे। इंस्टाग्राम लाइव के दौरान तनुश्री ने दावा किया था कि बॉलीवुड या मीडिया से किसी भी व्यक्ति ने नाना पाटेकर का पार्थिव शरीर नहीं देखा। उन्होंने देर रात 11:28 बजे अंतिम संस्कार किए जाने की जल्दबाजी पर भी आपत्ति जताई है। तनुश्री ने आरोप लगाया है कि कानूनी मामलों से बचने के लिए यह नाटक रचा गया हो सकता है। तनुश्री ने सवाल उठाया कि इतनी रात के अंधेरे में अंतिम संस्कार करने की क्या जल्दी थी और क्या उनके परिवार ने भी चेहरा ठीक से देखा था।

नई नवेली:घर में खुशियां लाने वाली बहू को समझा डायन



घर में कदम रखते ही खुशियां बिखेरने वाली बहू अगर अचानक डायन करार दे दी जाए, तो समझिए मामला सिर्फ सास-बहू की नोकझोंक का नहीं है! यामी गौतम धर की ह्यनई नवेलीह्न में रिश्तों की खटपट है, शक के मजेदार किस्से हैं, डराने की कोशिश है और फिर खुलता है रामायण काल से जुड़ा एक ऐसा रहस्य, जो कहानी को सीधे रावण तक ले जाता है। आइडिया में दम है, लेकिन क्या फिल्म आखिरी तक अपना जादू कायम रख पाती है? इस फिल्म की लेंथ 2 घंटा 18 मिनट है। दैनिक भास्कर ने इस फिल्म को 5 में से 3 स्टार रेटिंग दी है।

मेरठ के एक ऐसे परिवार में मोहिनी (यामी गौतम धर) की एंट्री होती है, जहां रिश्तों में उलझनें हैं और घर का माहौल कुछ खास खुशगवार नहीं। मोहिनी अपनी समझदारी और अपनापन से सबका दिल जीतने लगती है। लेकिन देवर बंटू (अनुराग ठाकुर) को उसकी अच्छाई कुछ ज्यादा ही रहस्यमयी लगती है। उसे शक है कि भाभी के सीधे-सादे चेहरे के पीछे कोई खतरनाक राज छिपा है- कहीं वह डायन तो नहीं!

इधर, पति राजा (आदिनाथ एम. कोठारे) से जुड़ी परतें खुलती हैं और मामला घर की चारदीवारी से निकलकर पौराणिक रहस्यों तक पहुंच जाता है। रावण, मंदोदरी और भगवान राम के संदर्भों के साथ फिल्म त्रेता युग की कथा को आज के दौर से जोड़ने की कोशिश करती है। कहानी में काल शील पत्थर, राजा की जन्म नक्षत्र से जुड़ी मान्यताएं और रावण की वापसी चाहने वाली अंधेरी शक्तियां भी हैं। यानी शुरूआत घर की बहू पर शक से होती है, लेकिन आगे सवाल उठता है- इस परिवार का रामायण काल से आखिर रिश्ता क्या है?

एक्टिंग: यामी का रहस्य, अनुराग की कॉमेडी

यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार में संयम और रहस्य का अच्छा मेल रखती हैं। उनके चेहरे की खामोशी भी कई बार सवाल खड़े करती है। वह किरदार को गंभीरता से निभाती हैं, लेकिन स्क्रिप्ट उन्हें वह पूरा मौका नहीं देती, जिससे उनका अभिनय और निखर सकता था।

अनुराग ठाकुर फिल्म के कॉमेडी इंजन हैं। बंटू का शक, उसकी हरकतें और भाभी को लेकर उसकी थ्योरी कई जगह हंसाती हैं। लक्ष्मण रेखा वाला सीक्वेंस खास तौर पर मजेदार बन पड़ता है। आदिनाथ एम. कोठारे भावनात्मक दृश्यों में ठीक हैं, लेकिन कुछ जगह गुस्से और चीखने का अंदाज दोहराव वाला लगने लगता है।

सुनीता राजवर, मीता वशिष्ठ, सुष्मिता मुखर्जी, सोनल झा, आदित्य कुलश्रेष्ठ और प्रतीक पचौरी समेत सहायक कलाकार परिवार की दुनिया को विश्वसनीय बनाने में मदद करते हैं।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

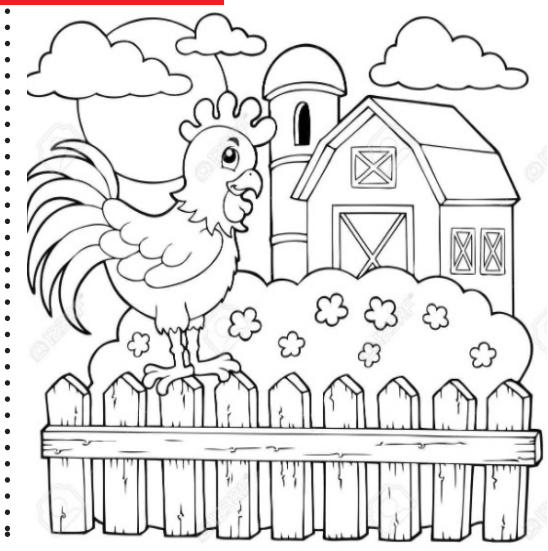




रंग भरकर चित्र बनाओ





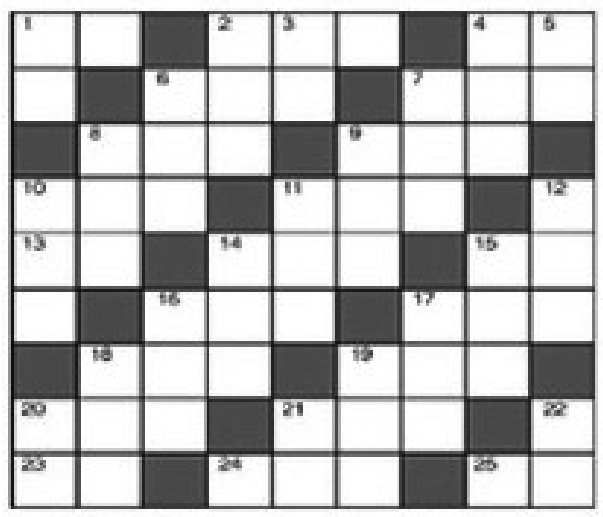


जोक्स

भिखारीः भाई एक रुपया दे दो, तीन दिन से भूखा हूँ।
राहगीरः तीन दिन से भूखा है, तो एक रुपये का क्या करेगा?
भिखारीः वजन देखना है कि कितना घटा है!

टीचरः अपने पापा का नाम अंग्रेजी में बोलो?
स्टूडेंटः ब्यूटिफुल रेड अंडरवियर!
टीचरः क्या बकवास है हिंदी में बताओ?
स्टूडेंटः सुंदर लाल चड्ढा...

वर्ग पहेली





बाएं से दाएं

1. दर्द से निकली कराह-2
2. ओट, चिलमन-3
4. जरा, थोड़ा-2
6. कपड़े की दीवार-3
7. निर्माण-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. गहन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. रनिवास-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्राम, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. कैनाल, उपनदी-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, बदरा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संपत्ति-2
24. विष, गरल-3
25. औषधि-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आश्रय, शरण-2
3. लीन, मगन-2
4. कूड़ा-कर्कट-3
5. इकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. उष्ण-3
10. भद्र, कुलीन-3
11. अवैध, नाजायज-3
12. युद्ध, रण-3
14. आश्रय-3
15. जलजला-3
16. ठंडा-3
17. नमस्कार, प्रणाम-3
18. कद्र, मान-3
19. जो कभी वृद्ध न हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. इस पर रोटी सेंकते हैं-2

माथा पच्ची

60		28		6		24	=	14
40		20		5		10	=	65
20		4		20		4	=	15
60		6		2		10	=	30
=		=		=		=		=
20		6		20		20	=	14/16

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

कृ	ष	मु	ष	ती	क	ह्रे	ना	प्या	र	हैं
च	क्रि	त	ना	तु	म	जा	नो	ना	ह	म
य	के	या	हे	मि	त	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	टें	न	शा	वा	श्य	क	ले	ज	क
प	दा	ह	मी	ने	तो	हो	य	गो	भी	त
खे	स	क	ष	त्र	स	ए	व	खु	वॉ	य
द	ई	व	न	जी	न	ह	ती	गो	ली	द
क	र	मि	ष	क्ष	प	क	र	चो	आ	ख
र	य	त	त	स	भी	त	श्मी	अ	क्षा	अ
क	र	त	ष	ग	अ	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	त्र	या	पि	मु	की	फि	जा

शब्दजाल में ऋतिक रोशन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एव तिरछे हो सकते हैं.

कृष, कोई मिल गया, कभी खुशी कभी गम, फिजा, कहो ना प्यार है, मीशन कश्मीर, यादें, ना तुम जानो ना हम, लक्ष्य, आशा.

अष्टयोग

7		3			2	
	31		31		28	2
4		1		3		
5	28	6	31		39	3
		4			7	
3	29		32	7	40	5
	3	2	4		7	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

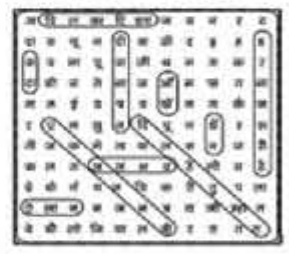
माथा पच्ची का हल

45	-	3	+	61	-	10	=	66
+		+		-		x		+
20	x	5	-	51	-	25	=	24
+		+		-		+		+
50	-	40	+	10	+	25	=	45
-		-		+		+		-
70	+	18	+	27	-	40	=	75
=		=		=		=		=
45	+	30	+	27	-	50	=	52

अष्टयोग का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	27	7	32	4	34	2
4	2	1	6	3	5	7
5	28	6	31	6	39	3
1	5	4	3	2	7	6
3	33	5	31	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

शब्दजाल का हल



सूडोकु नवताल

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

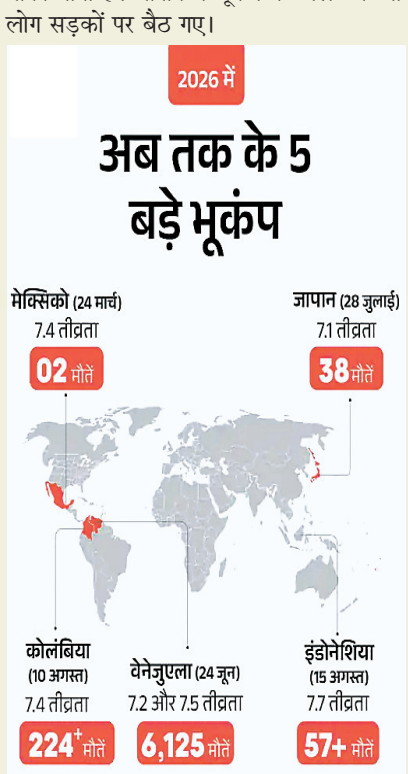


रूस में 7 तीव्रता का भूकंप, जापान में 9.9 का अलर्ट

12 मिनट तक पूरे जापान में अफरातफरी रही; फिर मौसम एजेंसी ने माफी मांगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कामचटका

रूस के कामचटका प्रायद्वीप में शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे 7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। इसके कुछ देर बाद जापान की मौसम एजेंसी ने गलती से 9.9 तीव्रता के भूकंप की चेतावनी जारी कर दी। इससे देशभर में अफरातफरी मच गई। हालांकि, एजेंसी ने करीब 12 मिनट बाद अलर्ट वापस ले लिया। जापान की मौसम एजेंसी ने इस गलती के लिए माफी मांगी है। जापान में भूकंप के अलर्ट के बाद लोग सड़कों पर बैठ गए।



जापान के भूकंप अलर्ट में इतनी बड़ी गलती कैसे हुई?

जापान की भूकंप चेतावनी प्रणाली जमीन पर लगे सेंसर से मिले शुरूआती आंकड़ों के आधार पर भूकंप की तीव्रता और उसके असर का अनुमान लगाती है। यह काम कुछ ही समय में किया जाता है। शुरूआत में आंकड़े अधूरे होने के कारण अनुमान गलत हो सकता है। लेकिन इस बार 9.9 तीव्रता का अलर्ट जारी करना बड़ी चूक थी। इतनी तीव्रता का भूकंप अब तक दर्ज नहीं किया गया है।

जापान की मौसम एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता का जरूरत से ज्यादा अनुमान लगाने के कारण गलत चेतावनी जारी हुई थी। एजेंसी अब इसकी वजह की जांच कर रही है।

शुरूआती आंकड़े अधूरे होने, भूकंप का निगरानी केंद्रों से दूर आने या आसपास एक साथ कई भूकंप आने से अनुमान प्रभावित हो सकता है। हालांकि, इस मामले में सेंसर या सॉफ्टवेयर की गड़बड़ी जैसी किसी वजह की पुष्टि नहीं हुई है।

2025 में कामचटका में 10 साल का सबसे तेज भूकंप आया था

यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में कामचटका में 1200 से ज्यादा भूकंप दर्ज किए गए थे। इनमें से अधिकांश छोटे-मोटे (मैग्निट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप हुए। इस क्षेत्र में पिछले साल 3 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए थे।

साल 2025 का सबसे विनाशकारी भूकंप जुलाई को रूस के कामचटका में पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.8 मापी गई। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे बड़ा झटका था। इसने कई देशों को प्रभावित किया।

कामचटका में बार-बार भूकंप क्यों आते है?

कामचटका प्रशांत महासागर के उस इलाके में है, जिसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। यह प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला ऐसा क्षेत्र है, जहां दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप आते हैं और ज्वालामुखी फटते हैं। कामचटका में बार-बार भूकंप आने की मुख्य वजह जमीन के नीचे मौजूद विशाल प्लेटों की हलचल है। यहां प्रशांत प्लेट धीरे-धीरे ओखोत्स्क प्लेट के नीचे खिसक रही है। इस प्रक्रिया को सबडक्शन कहते हैं। दोनों प्लेटों के बीच घर्षण से चट्टानों में दबाव जमा होता रहता है। जब यह दबाव अचानक बाहर निकलता है, तो भूकंप आता है।

प्लेटों की इसी हलचल से जमीन के नीचे गर्म पिघला हुआ पदार्थ बनता है, जिसे मैग्मा कहते हैं। यह बाहर निकलता है तो ज्वालामुखी फटता है। यहां कई सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं। समुद्र के नीचे तेज भूकंप आने पर सुनामी का खतरा भी रहता है। इस इलाके में जमीन के नीचे प्लेटों की हलचल लगातार जारी रहती है।

दक्षिणपंथी वोटों के बंटने का डर; हाथ से निकल सकती है सत्ता

चुनाव जीतकर भी क्या प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे नेतन्याहू

ब्रह्मास्त्र ▸▸ तेल अवीव

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सामने चुनाव के बाद सत्ता गंवाने का खतरा है। उनके अपने दक्षिणपंथी खेमे की छोटी पार्टियां उनके लिए मुश्किल खड़ी कर रही हैं। इनके कारण वोट बंट सकते हैं। वहीं, चुनाव के बाद ये पार्टियां नेतन्याहू की सरकार में शामिल होने से भी इनकार कर सकती हैं।

चुनाव से 11 दिन पहले नेतन्याहू इन पार्टियों के वोट अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, विपक्षी नेता गादी आइजनकोट अपनी पार्टी को विपक्ष का सबसे बड़ा दल बनाने में जुटे हैं, ताकि प्रधानमंत्री पद के लिए उनका दावा मजबूत हो सके।

इजराइल में दक्षिणपंथी वोटों के लिए बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को ओफर विंटर और योआज हेंडेल की पार्टियों से चुनौती मिल रही है। नेतन्याहू चाहते हैं कि दक्षिणपंथी मतदाता उनकी पार्टी को वोट दें, ताकि चुनाव के बाद उनकी सरकार बनाने की संभावना मजबूत रहे।

नेतन्याहू ने विंटर की पार्टी को वोट न देने की अपील की है। उन्हें डर है कि विंटर दक्षिणपंथी वोट लेकर चुनाव के बाद एविगडोर लिबरमैन के साथ जा सकते हैं। यानी वोट मिलने के बावजूद नेतन्याहू को इन पार्टियों का समर्थन मिले, यह जरूरी नहीं है।



इजराइल में किसी पार्टी को संसद में सीट पाने के लिए कम से कम 3.25% वोट हासिल करना जरूरी है। इससे कम वोट मिलने पर पार्टी को कोई सीट नहीं मिलती।

अगर दक्षिणपंथी मतदाता लिकुड के बजाय विंटर की पार्टी को वोट देते हैं और वह जरूरी वोट हासिल नहीं कर पाती, तो उन वोटों से संसद में कोई सीट नहीं मिलेगी।

इससे दक्षिणपंथी खेमे की कुल सीटें कम हो सकती हैं और नेतन्याहू के लिए सरकार बनाना मुश्किल हो सकता है। हालांकि, विंटर की पार्टी के संसद पहुंचने की संभावना भी है। 1 अक्टूबर के बाद हुए 19 बड़े चुनावी सर्वे में से 11 में पार्टी जरूरी वोट हासिल करती दिखी।

पिछले हफ्ते के 7 सर्वे में से 4 में भी पार्टी 3.25% वोट को पार करती नजर आई। यानी उसका संसद पहुंचना संभव है, लेकिन तय नहीं है। ओफर विंटर की पार्टी ने कहा है कि वह राष्ट्रपति के सामने नेतन्याहू को प्रधानमंत्री बनाने की सिफारिश करेगी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह नेतन्याहू की सरकार में भी शामिल होगी। विंटर चाहते हैं कि अति-रूढ़िवादी यहूदी पार्टियां सेना में भर्ती से जुड़े कानून पर सहमत हों। ऐसा नहीं होने पर उनकी पार्टी ऐसी सरकार में शामिल नहीं होगी, जिसमें इन पार्टियों का दबदबा हो। विंटर ने गादी आइजनकोट और एविगडोर लिबरमैन की सरकार में शामिल होने की संभावना खुली रखी है। हालांकि, उन्होंने यायर गोलान के साथ सरकार बनाने से इनकार किया है। नेतन्याहू को हराने की कोशिश कर रहे विपक्षी दलों में भी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर सहमति नहीं है। विपक्षी नेता गादी आइजनकोट चाहते हैं कि उनकी पार्टी याशर विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी बने।

नेतन्याहू को देश के लिए खतरा मानते हैं

आइजनकोट का मानना है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी बनने से प्रधानमंत्री पद के लिए उनका दावा मजबूत होगा। लेकिन इससे दूसरी विपक्षी पार्टियों को नुकसान हो सकता है। ऐसे में चुनाव के बाद नेतन्याहू के खिलाफ सभी विपक्षी दल एकजुट हो पाएंगे या नहीं, यह भी अहम होगा। आइजनकोट का आरोप है कि नेतन्याहू 7 अक्टूबर 2023 के हमले के बाद देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहे। उनका कहना है कि किसी नेता की पहचान उसके भाषणों से नहीं, बल्कि उसके नतीजों से होती है। उन्होंने नेतन्याहू को एंटी-लीडर बताते हुए कहा कि किसी भी नाकामी की जिम्मेदारी नेता को खुद लेनी चाहिए, लेकिन नेतन्याहू ऐसा नहीं करते। आइजनकोट का मानना है कि देश को ऐसी सरकार चाहिए, जो गलतियों की जिम्मेदारी ले और इजराइल को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के करीब लाए। आइजनकोट की पार्टी याशर विपक्षी खेमे का नेतृत्व करने की कोशिश कर रही है। लेख में दिए गए सर्वे के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद के लिए उपयुक्त नेता के सवाल पर आइजनकोट नेतन्याहू से आगे चल रहे थे। एक सर्वे में उन्हें 41% और नेतन्याहू को 38 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया। दूसरे सर्वे में आइजनकोट को 44 प्रतिशत और नेतन्याहू को 38 प्रतिशत समर्थन मिला।

बांग्लादेश में छात्रों ने मंदिर के सामने गोमांस पकाया

आज यूनिवर्सिटी में गाय काटने की तैयारी, प्रशासन ने पहले रोक लगाई फिर छूट दी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ढाका

बांग्लादेश की जगन्नाथ यूनिवर्सिटी में 12 अक्टूबर को मंदिर के पास गोमांस पकाने को लेकर विवाद हो गया। इसके दो दिन बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कैंपस में पशु काटने से बचने का नोटिस जारी किया। इसके विरोध में मुस्लिम छात्रों के एक समूह ने शुक्रवार, 16 अक्टूबर को गाय काटकर दावत करने का ऐलान कर दिया। विवाद बढ़ने पर प्रशासन ने दूसरा नोटिस जारी कर कहा कि छात्रों को ऐसे आयोजन करने का अधिकार है, लेकिन इससे दूसरों की धार्मिक गतिविधियों में बाधा नहीं आनी चाहिए।

12 अक्टूबर को जगन्नाथ यूनिवर्सिटी के इस्लामिक हिस्ट्री एंड कल्चर विभाग के 17वें बैच के छात्रों ने कैंपस में गोमांस की खिचड़ी बनाने का कार्यक्रम रखा। यह जगह यूनिवर्सिटी के केंद्रीय मंदिर के पास थी। मंदिर समिति के सदस्य सचिव जॉय साहा ने बीबीसी बांग्ला को बताया कि गोमांस की खिचड़ी बनते देख कुछ हिंदू छात्रों ने विरोध किया। मामला बढ़ने पर



यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद आयोजकों ने मंदिर से कुछ दूरी पर जाकर खाना बनाया। आयोजकों ने कहा कि उनका किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। उन्होंने चूल्हा बनाने में इस्तेमाल हुईं मंदिर के पास रखी ईंटें वापस रख दीं और खाना बनाने के लिए कैंटीन से लोहे का चूल्हा मंगाया।

साहा के मुताबिक, मंदिर समिति को ईंटों से ज्यादा आपत्ति मंदिर के इतने करीब खाना बनाने पर थी। उसी रात सनातनी छात्रों ने कैंपस में मार्च निकाला। इसके बाद सोशल मीडिया पर विवाद बढ़ गया।

प्रशासन ने पशु वध पर रोक का नोटिस जारी किया

14 अक्टूबर को यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कैंपस में पशु वध से बचने के लिए नोटिस जारी किया। इसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य, साफ-सफाई और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का हवाला दिया गया था।

यूएई शाही परिवार की बहू को रिहैब कैंप भेजा गया

कोकीन के नशे में बेहोश मिली थी, 3 साल के बच्चे को अकेला छोड़ दिया था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ लंदन

यूएई के शाही परिवार से जुड़ी 32 साल की महराह अल नाहयान को लंदन में बच्चे की देखभाल में लापरवाही के मामले में सजा सुनाई गई है। उन्हें दो साल तक रिहैब कार्यक्रम में शामिल होना होगा। साथ ही करीब 7.7 लाख रुपये का जुमार्ना भी भरना पड़ेगा।

यह मामला 13 जून का है। उस दिन महराह पश्चिमी लंदन की एक सड़क पर बेहोश मिली थीं। उनके पास उनका 3 साल का बच्चा बिना जूते पहने स्कूटर से खेल रहा था। बच्चा व्यस्त सड़क पर चल रही गाड़ियों के करीब था। कोर्ट में महराह ने माना कि उन्होंने कोकीन का इस्तेमाल किया था।

कोर्ट में बताया गया कि 13 जून को महराह लोहे की रेलिंग के सहारे बेहोश पड़ी थीं। उनके पास ही एक अन्य व्यक्ति भी बेहोश था। वहीं, उनका 3 साल का बच्चा अकेले खेल रहा था। वहां से गुजर रहे लोगों ने बच्चे को अकेला देखा तो उसकी मदद के लिए आगे आए। उन्होंने पुलिस के पहुंचने तक बच्चे को अपने पास रखा। इस दौरान एक व्यक्ति ने घटना का वीडियो भी बनाया था। कोर्ट के मुताबिक, महराह करीब 30 मिनट तक बेहोश रहीं। होश आने पर उन्होंने लोगों से पूछा कि वे इतनी चिंता क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह कोई



कत्लखाना नहीं है। आपको इतनी परवाह क्यों है? आप इतने परेशान क्यों हैं? पुलिस ने महराह के बैग की तलाशी ली। उसमें नशे के इस्तेमाल से जुड़ा सामान मिला, लेकिन कोई गैरकानूनी नशीला पदार्थ नहीं मिला।

वकील ने कहा- घटना वाले दिन नशा नहीं किया था

कोर्ट में बताया गया कि महराह ने बेहोश मिलने से पहले के कुछ दिनों में कोकीन ली थी। हालांकि, उनके वकील स्टीफन वुलो ने कहा कि उन्होंने घटना वाले दिन नशा नहीं किया था। वकील के मुताबिक, पिछले दिनों नशा करने के कारण वह बहुत थक गई थीं। वकील ने कोर्ट को बताया कि महराह को अपनी गलती का पछतावा है और वह नशे की लत छोड़ना चाहती हैं।

अल्बानिया में महंगी शिक्षा के खिलाफ छात्र सड़कों पर

सरकारी इमारतों और बैंकों में आग लगाई; अभी 11 देशों में छात्र आंदोलन चल रहा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ तिराना

अल्बानिया की राजधानी तिराना में महंगी शिक्षा और खराब सुविधाओं के खिलाफ अब छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। छात्र प्रधानमंत्री एदी रामा के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय, सरकारी इमारतों और कई बैंकों की शाखाओं में आग लगा दी।

भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और पानी का इस्तेमाल किया। इस दौरान दर्जनों पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी घायल हो गए। अल्बानिया में जारी यह विरोध ऐसे समय हो रहा है, जब भारत, फ्रांस, जर्मनी समेत दुनिया के कुल 11 देशों में छात्र अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

अल्बानिया में छात्रों की नाराजगी अचानक नहीं बढ़ी है। वे कई महीनों से



पढ़ाई के बढ़ते खर्च और डिग्री लेने के बाद नौकरी मिलने की कम संभावनाओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं। छात्रों का कहना है कि शिक्षा महंगी होती जा रही है, जबकि पढ़ाई पूरी करने के बाद भी रोजगार के पर्याप्त मौके नहीं मिल रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि सरकार ने बातचीत करने के बजाय उनकी छवि खराब करने की कोशिश की। एदी रामा 2013 से अल्बानिया के प्रधानमंत्री हैं। पिछले साल मई में वे चौथी बार इस पद पर चुने गए थे। हालांकि, इसके बाद उनकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ी है। मौजूदा प्रदर्शन रामा के लिए अब तक के सबसे गंभीर जन विरोध में से एक माने जा रहे हैं।

सरकार के खिलाफ विरोध कुछ महीने पहले ही शुरू हो गया था। इसकी एक वजह देश के दक्षिणी तट पर लग्जरी रिसॉर्ट बनाने की योजना भी है। इस परियोजना से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर जुड़े हैं। गुरुवार को रॉयटर्स से बातचीत में रामा ने इस्तीफे की मांग खारिज कर दी। उन्होंने कहा कि सरकारें लोकतांत्रिक चुनावों से बदलती हैं। पिछले साल देश में चुनाव हुए थे, क्रांति नहीं।

अमेरिका में 30 हजार भारतीय मजदूरों ने काम छोड़ा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिका के कैलिफोनिया में करीब 30 हजार भारतीय मजदूरों को खेती का काम छोड़ना पड़ा है। इनमें से कई मजदूरों के पास अमेरिका में रहने और काम करने के पूरे कागजात नहीं हैं। ऐसे में इमिग्रेशन एजेंसी के छापों और पकड़े जाने के डर से मजदूर काम करने से बच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इससे फल और सब्जियों के दाम 30% से 32% तक बढ़ सकते हैं। कैलिफोर्निया में डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार है। ट्रम्प ने राज्य सरकार पर अवैध प्रवासियों को बचाने का आरोप लगाया है। इसके बाद ट्रम्प ने कइए को वहां कड़ी कार्रवाई करने को कहा। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो महीनों में हजारों खेत मजदूरों को पकड़कर हिरासत केंद्रों में रखा गया है। कुछ लोगों को देश से निकाला भी गया है। अमेरिका में बिना जरूरी कागजात के रह रहे करीब 7.5 लाख भारतीयों में से लगभग एक लाख खेती से जुड़े काम करते हैं।

भारत को सोने का नया सप्लायर मिल सकता है

ऑस्ट्रेलिया में सोने की खोज पर 13 हजार करोड़ रुपए खर्च

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में सोने की नई खदानें तलाशने के लिए एक साल में रिकॉर्ड 13 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां दुनिया का सबसे बड़ा सोना भंडार है। ऐसे में आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया भारत के लिए सोने का नया सप्लायर बन सकता है। फिलहाल भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना आयात करता है, जबकि कुल आयात में ऑस्ट्रेलिया की हिस्सेदारी सिर्फ 2.27% है।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में अकेले 10,625 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां सोने की तलाश के लिए ड्रिलिंग मशीनों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। सोने की नई खदानें खोजने की इस होड़ को ह्यगोल्ड रशह्न कहा जा रहा है। अनुमान है कि यहां करीब 13 हजार टन सोना मौजूद है। यह दुनिया में मौजूद सोने के कुल संसाधनों का करीब 20% है।



सोने की खोज में तेजी भारत के लिए भी अहम है। दुनिया में सोने के आभूषणों की कुल मांग में भारत की हिस्सेदारी करीब 30% बताई जाती है। भारत में सोने का उत्पादन बहुत कम होता है। इसलिए अपनी जरूरत पूरी करने के लिए उसे दूसरे देशों से सोना खरीदना पड़ता है। 2026 की पहली तिमाही में भारत ने करीब 1.61 लाख करोड़ रुपए का सोना आयात किया। दुनिया में जंग और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसे समय में सोने की खदानों में निवेश करना कंपनियों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

यही वजह है कि वे सोने के नए भंडार खोजने पर ज्यादा पैसा खर्च कर रही हैं। जून 2026 की तिमाही में ऑस्ट्रेलिया में सोने की खोज पर खर्च 23.6% बढ़ गया। ऑस्ट्रेलिया में जून 2026 की तिमाही के दौरान अलग-अलग धातुओं की खोज पर सबसे ज्यादा पैसा सोने के लिए खर्च किया गया।

कोयला: 401 करोड़ रुपए

आंकड़ों से पता चलता है कि ऑस्ट्रेलिया में कंपनियों का ध्यान सोने के नए भंडार खोजने पर ज्यादा है। 2025 में ऑस्ट्रेलिया ने 314 टन सोने का उत्पादन किया। दुनिया में इस दौरान कुल 3,300 टन सोना निकाला गया था। यानी दुनिया के कुल उत्पादन में ऑस्ट्रेलिया की हिस्सेदारी करीब 9.5% रही। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में सोने का उत्पादन एक साल में 10% से ज्यादा बढ़ा। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना दूसरे देशों से खरीदता है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया से आयात बढ़ने पर भारत के पास सोना खरीदने के लिए एक और विकल्प होगा।

ऑस्ट्रेलिया में खनन और कारोबार से जुड़े नियम सख्त हैं। वहां सोने के स्रोत और पर्यावरण से जुड़े नियमों का भी ध्यान रखा जाता है। इससे भारतीय कंपनियों को यह जांचने में मदद मिल सकती है कि वे सोना कहां से खरीद रही हैं। पश्चिम एशिया में जंग के कारण दुबई के रास्ते भारत आने वाली सोने की खेप भी प्रभावित हुई थी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया से कारोबार बढ़ने पर भारत को सोना मंगाने के लिए एक दूसरा रास्ता मिल सकता है। अगर ऑस्ट्रेलिया में नई खदानें मिलती हैं और वहां सोने का उत्पादन बढ़ता है, तो दुनिया के बाजार में सोने की सप्लाई बढ़ सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सोना सस्ता हो ही जाएगा।सोने की कीमत इस बात पर भी निर्भर करती है कि दुनिया में उसकी मांग कितनी है, उत्पादन पर कितना खर्च आता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें किस दिशा में जाती हैं।

■ वर्ष-12 अंक-344 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

द्यूतं पुस्तकवाद्ये च नाटकेषु च सक्तिता।
स्त्रियस्तन्द्रा च निन्द्रा च विद्याविघ्नकराणि षट्।।

भावार्थ : जुआ, वाद्य, नाट्य (कहानी/फिल्म), महिलाओं (या पुरुषों) से लगाव, नींद और नींद ये सीखने में गड़बड़ी के छह रूप हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, शनिवासरः 17 अक्टूबर, 2026

विद्या वितर्को विज्ञानं स्मृतिः तत्परता क्रिया।
यस्यैते षड्गुणास्तस्य नासाध्यमतिवर्तते।।

भावार्थ : ज्ञान, तर्क, विज्ञान, स्मृति, तत्परता और दक्षता, जिसके पास ये छह हैं, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

सम्पादकीयम्

यदि हिन्दुः मन्यते यत् मुसलमानाः भारते न

न्यूयोर्कनगरे मोहनभागवतस्य सम्बोधने भारतस्य बहुलपरम्परायाः सह-अस्तित्वस्य च आवश्यकतां रेखांकितम् अस्ति। बहुसंख्यकत्वस्य अर्थः परस्य अधिकारस्य अस्वीकारः न भवति। विविधता भारतस्य बलं, संवादः च लोकतन्त्रस्य आधारः। प्रवासिनः सम्मानं कृत्वा संवादस्य स्थानं निर्वाहयितुं-असहमतस्य मध्ये अपि-अद्यतनवैश्विकरूपेण तनावपूर्णे वातावरणे महत्त्वपूर्णम् अस्ति। यदि हिन्दुः मन्यते यत् मुसलमानाः भारते न भवेयुः तर्हि सः हिन्दुः नास्ति। न्यूयोर्कनगरे आरएसएसप्रमुखस्य मोहनभागवतस्य एतत् वक्तव्यं भारतस्य बहुधार्मिकसमाजस्य अन्तः सहजीवनस्य समानतायाः च आवश्यकतां प्रकाशयति। सः स्वसम्बोधने यत् एकता, मानवता च उक्तवान्, तत् वस्तुतः अद्यत्वे समग्रस्य जगतः आवश्यकता अस्ति। राष्ट्रस्य बलम्: तस्य कथनस्य एकः प्रमुखः अभिप्रायः अस्ति यत् बहुमतस्य अर्थः अन्येषां अस्तित्वं नकारयितुं न भवति, न च संख्यात्मकबलस्य आधारेण अधिकाराः न्यूनाः भवन्ति वा विस्तारं कुर्वन्ति वा। देशे सवेर्षां समानं स्थानं वर्तते, संविधानेन च सवेर्षां समानाधिकारः प्रदत्तः अस्ति। विविधता भारतस्य महत्तमं लक्षणं जातम्; धर्मभाषाजातिपरम्पराभेदाः न दुर्बलतारूपेण, अपितु देशस्य महत्तमबलत्वेन उद्भूताः। भारतस्य कृते विविधतायां एकता केवलं नारा एव न अपितु जीवितः अनुभवः एव। एतत् अवश्यं रक्षितव्यं, सः एव सन्देशः भागवतः प्रसारितः।

ममता बनर्जी इत्यस्याः सुरक्षां छूरेण भङ्क्तुयितुं प्रयत्नः

भगिनी इति दावान् कुर्वती महिला कोलाहलं जनयितुं आरोपिता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कोलकाता



पश्चिमबङ्गस्य मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी इत्यस्याः सुरक्षा-आतङ्कः मंगलवासरे सायं कोलकातानगरे अभवत् यदा एकः महिला छूरीम् आदाय स्वस्य सुरक्षा- घेरावस्य उल्लङ्घनस्य प्रयासं कृतवती इति कथ्यते। सा महिला ममता बनर्जी इत्यस्याः भगिनी इति दावान् अकरोत्। तृणमूलकाङ्ग्रेसस्य अनुसारं कालीघाटनगरस्य ममता बनर्जी इत्यस्याः निवासस्थानस्य समीपे सायं ६वादनस्य समीपे एषा घटना अभवत्। तस्मिन् समये मुख्यमन्त्री समीपस्थस्य दुगार्पूजापण्डलस्य उद्घाटनार्थं स्वगृहात् निर्गत्य आसीत्। पार्टी सांसद डोला सेन इत्यनेन कालीघाटपुलिसस्थाने लिखितशिकायतां दत्ता अस्ति। टीएमसी-नेतृणां दावानुसारं महिला प्रथमं पृष्ठतः सुरक्षापरिधिं प्रविष्टुं प्रयत्नं कृतवती, असफलतां प्राप्य अग्रेतः बलात् प्रवेशं कर्तुं प्रयत्नं कृतवती तदनन्तरं सा मार्गे शयनं कृत्वा वाचिकदुर्व्यवहारं क्षिप्तवती इति आरोपः अस्ति। अस्मिन् एव काले तस्याः हस्ते छूरस्य उपस्थितिः प्रकाशिता। दलस्य कार्यकर्तारः तां महिलां वशीकृत्य पुलिसाय समर्पितवन्तः इति कथ्यते। परन्तु अस्य घटनायाः विषये पुलिसैः विस्तृतः आधिकारिकः प्रतिक्रियाः न प्राप्ताः।

दुगार्पूजा पण्डालस्य उद्घाटनसमये घटना अभवत् ममता बनर्जी मंगलवासरे सायं समीपे स्थितस्य दुगार्पूजापण्डलस्य उद्घाटनार्थं स्वनिवासस्थानात् बहिः गता आसीत्। अस्मिन् काले एका महिला स्वस्य सुरक्षापरिसरस्य उल्लङ्घनस्य प्रयासं कृतवती इति कथ्यते। समाचारपत्रानुसारं प्रारम्भे सा महिला सुरक्षाव्यवस्थायाः पृष्ठतः समीपं गता। मुख्यमन्त्रिणः सुरक्षायाः कृते नियोजिताः कार्मिकाः, समीपे उपस्थिताः दलकार्यकर्तारः च तां दृष्ट्वा तस्याः निवारणस्य प्रयासं कृतवन्तः।

ममता बनर्जी इत्यस्याः निवासस्थानं यत्र अस्ति तत्र कालीघाटक्षेत्रे एषा घटना अभवत्। दुगार्पूजा-कार्यक्रमस्य उद्घाटनार्थं मुख्यमन्त्रिणः भ्रमणस्य कारणेन क्षेत्रे सुरक्षाव्यवस्था, जन-आन्दोलनं च उच्चतरं जातम्। सुरक्षापरिधिं समीपं गत्वा एकः महिला छूरी धारिता इति कथ्यते इति सूचनानां अनन्तरं अराजकस्थितिः अभवत् इति कथ्यते परन्तु उपलब्धसूचनासु स्पष्टं न भवति यत् सा महिला मुख्यमन्त्रिणः कियत् समीपं गता अथवा सुरक्षाघासस्य कस्मिन् स्तरे सा अवरुद्धा इति। कथितस्य छूरस्य उपयोगः कस्यचित् आक्रमणार्थं कृतः वा इति अपि अस्पष्टम् अस्ति। अतः घटनां परितः आरोपानाम् सत्यापिततथ्यानां च भेदः अत्यावश्यकः। डोला सेन ने कालीघाट थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई तृणमूल काङ्ग्रेस सांसद डोला सेन कालीघाट थाना के प्रभारी अधिकारी को लिखित शिकायत किया। शिकायतया उक्तं यत् एषा घटना सायं ६ वादनस्य समीपे अभवत्। सेनस्य मते एषा महिला तनिस्थसाहा इति परिचिता अस्ति, सा ममता बनर्जी इत्यस्याः भगिनी इति दावान् कृतवती इति कथ्यते। महिलायाः व्यवहारं आक्रामकं इति वर्णयन्त्याः शिकायतया मुख्यमन्त्रीं छूरेण आक्रमणं कर्तुं प्रयत्नः कृतः इति आरोपः अस्ति। सेन् इत्यनेन स्वस्य शिकायतया अपि उक्तं यत् सा महिला नागरिकस्वयंसेविका अस्ति तथा च मादकद्रव्यस्य।

डिग्री प्राथमिकशिक्षक

नियुक्त्यर्थं अभ्यर्थिनं योग्यं न करोति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

मध्यप्रदेशे प्राथमिकशिक्षकनियुक्तिसम्बद्धे महत्त्वपूर्णे निर्णये उच्चन्यायालयेन अभ्यर्थी अपूर्वाशर्मा इत्यस्याः याचिका खारिज कृता, यया बी.एड. उपाधि। न्यायमूर्तिः पवनकुमार द्विवेदी इत्यस्य नेतृत्वे एकेन पीठेन स्पष्टीकृतं यत् एकः बी.एड. उपाधिः एव प्राथमिकशिक्षकपदार्थं आवश्यकस्य निर्धारितव्यावसायिकयोग्यतायाः स्थाने न भवितुम् अर्हति। भर्तीनियमानुसारं एकः (प्राथमिकशिक्षायां डिप्लोमा) अथवा तत्समव्यावसायिकयोग्यता अनिवार्यम् अस्ति। जबलपुर निवासी अपूर्व शर्मा बी.एड. डिग्री 2018 तमे वर्षे उत्तीर्णा अभवत् तथा च 2020 तमे वर्षे प्राथमिकशिक्षकयोग्यतापरीक्षायां उत्तीर्णा अभवत् तदनन्तरं प्राथमिकशिक्षकचयनपरीक्षायां-2025 इत्यस्मिन् भागं गृहीतवती, स्वच्छतां च प्राप्तवती। परन्तु दस्तावेजसत्यापनकाले निर्धारितव्यावसायिकयोग्यतायाः अभावात् सा अयोग्यः इति घोषिता। सा अस्य निर्णयस्य आव्हानं कर्तुं उच्चन्यायालयस्य समीपं गता आसीत्। भर्ती नियमावली मे योग्यता सम्बन्धी प्रश्न उभारे याचिकाकर्ता तर्कयति स्म यत् विद्यालयशिक्षाविभागस्य आदिवासीकार्यविभागस्य च भर्तीनियमेषु शैक्षिकयोग्यता भिन्नरूपेण निर्दिष्टा अस्ति। आदिवासीकार्यविभागस्य नियमेषु बी.एड. स्नातकपदवीयाः पार्श्वे उपाधिः भवति।

साइबर अपराधिनः व्यापारिणां परिचयं जीएसटी खातां च लक्ष्यं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ पटना

साइबर अपराधिनः व्यापारिणां परिचयं जीएसटी खातां च लक्ष्यं कृत्वा सर्वकारीयराजस्वस्य आर्थिकहानिम् आनेतुं नूतनं पद्धतिं स्वीकृतवन्तः। भोपाल-नगरस्य एकस्य व्यापारिणः विषये एकस्मिन् प्रकरणे तस्य जीएसटी-खाते अनधिकृत-प्रवेशस्य अनन्तरं कुलम् 8,09,81,305-रूप्यकाणां ९८९ नकली-चालानानि अपलोड् कृताः इति कथ्यते एतेषां विधेयकानाम् माध्यमेन प्रायः 1.46 कोटिरूप्यकाणां जीएसटी-परिहारस्य प्रयासः प्रकाशं प्राप्तवान्। अन्वेषणस्य अनन्तरं आर्थिकअपराधविभागेन 13 अक्टोबर् 2026 दिनाङ्के दिल्लीनगरस्य निवासी बसन्तकुमारश्रीवास्तवस्य (उर्फ बसन्तकुमारगौरस्य) विरुद्धं प्राथमिकी रजिस्ट्रीकृत्य जाँचः आरब्धः अस्ति।

राशिफल

मेष : प्रोफेशनल लाइफ में कार्यों की तारीफ होगी। आज आप फैमिली के साथ ट्रिप का प्लान बना सकते हैं।

वृषभ : दिन मिलाजुला रहने वाला है। दान-पुण्य के कार्यों के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में दिलचस्पी बढ़ेगी।

मिथुन : दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में समस्याएं हो सकती हैं। कर्क राशि वाले आज यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क : कर्क राशि वालों को सावधान रहना होगा। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और पुरानी गलती को दोबारा न दोहराएं।

सिंह : सिंह राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। मन को शांत रखें। अशांति महसूस हो सकती है।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए दिन मिलाजुला रहने वाला है। दान-पुण्य के कार्यों के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है।

तुला : तुला राशि वालों को सावधान रहना होगा। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और पुरानी गलती को दोबारा न दोहराएं।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन शुभ रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में कार्यों की तारीफ होगी।

धनु : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। घर के छोटे भाई-बहन करियर में नई उपलब्धि हासिल करेंगे।

मकर : मकर राशि वालों को सावधान रहना होगा। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और पुरानी गलती को दोबारा न दोहराएं।

कुंभ : कुंभ राशि वालों के लिए दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में समस्याएं हो सकती हैं।

मीन : मीन राशि वालों के लिए शुभ दिन कहा जा सकता है। घर के छोटे भाई-बहन करियर में नई उपलब्धि हासिल करेंगे।

6 खिताब एशियाई देशों ने जीते, इनमें उत्तर-कोरिया 4 बार चैंपियन, भारत एक बार खेला

विमेंस व-17 फुटबॉल वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन आज से

ब्रह्मास्त्र ▸▸ दुबई

महिला फुटबॉल का सबसे बड़ा यूथ टूर्नामेंट आज से शुरू हो रहा है। फीफा यू-17 महिला वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन शनिवार से मोरक्को में खेला जाएगा।

24 टीमों के बीच 22 दिनों तक खिताबी भिड़ंत होगी। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन उत्तर कोरिया लगातार तीसरी ट्रॉफी जीतने उतरेगा। भारत इस एडिशन का हिस्सा नहीं है। टीम सिर्फ एक बार 2022 में खेली थी।

24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया- टूर्नामेंट में 24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सीधे राउंड ऑफ 16 में जाएंगी। साथ ही सभी ग्रुप से मिलाकर बेस्ट 4 थर्ड-प्लेस टीमें भी अगले राउंड के लिए क्वालिफाई होंगी। सभी मैच रबात के मोहम्मद-6 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होंगे। वहीं ब्रॉन्ज और फाइनल प्रिंस मौले एल हसन स्टेडियम में खेला जाएगा।

2008 में 16 टीमों से शुरू हुआ सफर- फीफा यू-17 महिला वर्ल्ड कप की शुरूआत 2008 में न्यूजीलैंड में हुई थी। तब से 2024 तक टूर्नामेंट हर 2 साल में होता था। 2025 से इसे सालाना कर दिया गया है। मोरक्को को 2025 से 2029 तक लगातार पांच एडिशन की मेजबानी दी गई है। यह फीफा के इतिहास में किसी एक देश को मिला ऐसा पहला अवसर है। पहले टूर्नामेंट 16 टीमों के साथ होता था, लेकिन 2025 से टीमों की संख्या बढ़ाकर 24 कर दी गई।

उत्तर कोरिया सबसे ज्यादा 4 बार चैंपियन बना- उत्तर कोरिया ने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता है। टीम 2008, 2016, 2024 और 2025 में चैंपियन बनी। टीम ने पिछले साल 2025 में नीदरलैंड को 3-0 से हराकर लगातार ट्रॉफी जीताई। स्पेन ने भी 2018 और 2022 में 2 बार खिताब अपने नाम किया। साउथ कोरिया, फ्रांस और जापान ने एक-एक बार ट्रॉफी उठाई है।

भारत होस्ट नेशन के तौर पर 2022 में खेला- भारत ने 2022 में होस्ट नेशन के रूप में अपना एकमात्र वर्ल्ड कप खेला। हालांकि टीम अपने तीनों ग्रुप मुकाबले हार गई। टीम को ग्रुप-अ में अमेरिका से 0-8, मोरक्को से 0-3 और ब्राजील से 0-5 से हार झेलनी पड़ी थी। टीम टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं कर सका, जबकि 16 गोल खाए।



पुएर्तो रिको ने पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया

इस बार पुएर्तो रिको पहली बार किसी भी फीफा वर्ल्ड कप में खेलेगी। टीम ने पुरुष या महिला कैटेगरी में पहली बार क्वालीफाई किया है। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया भी पहली बार विमेंस व-17 के इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं।

कहां देख सकते हैं मुकाबले?

फीफा यू-17 विमेंस वर्ल्ड कप 2026 के सभी 52 मैच ओटीटी प्लेटफॉर्म डीएजेडएन पर फ्री में देखे जा सकते हैं। फीफा+ ऐप और वेबसाइट पर भी मैच स्ट्रीम किए जाएंगे। भारत में इसका कोई आधिकारिक टीवी ब्रॉडकास्टर घोषित नहीं हुआ है।

बेंगलुरु में पहली बार भारत-वेस्टइंडीज टी-20

भारत 7 साल बाद घर पर सीरीज हार सकता है, क्या आज खेलेंगे वैभव सूर्यवंशी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ बेंगलुरु

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवा और आखिरी टी-20 मैच आज खेला जाएगा। मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शाम 7 बजे शुरू होगा। फिलहाल सीरीज 2-2 से बराबर है। भारत ने पहला और तीसरा मैच जीता था। वहीं वेस्टइंडीज को दूसरे और चौथे टी-20 में जीत मिली।

भारत 2019 से घर में टी-20 सीरीज नहीं हारा है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज 2002 के बाद भारत में किसी भी फॉर्मेट की बाइलेटरल सीरीज नहीं जीती है। मेहमान टीम के पास भारत के इस विजयी अभियान को रोकने का मौका होगा। साथ ही यह पहला मौका है, जब बेंगलुरु में दोनों टीमों की भिड़ंत होगी। हालांकि मैच के समया बारिश की संभावना है।

वैभव सूर्यवंशी के खेलने की संभावना कम- 15 साल के वैभव सूर्यवंशी सीरीज के शुरूआती चारों मैचों में प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना सके। टॉप ऑर्डर में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन हैं। इसकी वजह से वैभव की अंतिम-11 में जगह नहीं बन पा रही। टीम शायद ही निर्णायक मैच में ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदलना चाहे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी- भारत और वेस्टइंडीज के बीच अब तक 35 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। इनमें भारत ने 22 और वेस्टइंडीज ने 12 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। भारत में दोनों टीमों के बीच 15 टी-20 खेले गए। इनमें भारत ने 11 और वेस्टइंडीज ने 4 मैच जीते हैं।

अर्शदीप की जगह भुवनेश्वर टीम में शामिल- भारतीय टीम के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फिटनेस चिंता की बात है। उन्हें पिछले मैच में गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। इसके बाद सिलेक्टर्स ने पांचवें मैच के लिए भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया है। अर्शदीप के खेलने पर फैसला मैच से पहले उनकी रिकवरी के आधार पर लिया जाएगा। इस सीरीज में श्रेयस अय्यर भारत के टॉप बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने 4 मैचों में 159 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में नमन धीर ने 4 मैचों में 5 विकेट लिए हैं।



शाई होप की फॉर्म वेस्टइंडीज की सबसे बड़ी ताकत

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप इस दौरे पर टीम के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने वनडे सीरीज में 248 गेंदों पर 278 रन बनाए। टी-20 सीरीज में भी वे 261 रन बना चुके हैं। होप इस दौरे पर अब तक चार शतक लगा चुके हैं। वह भारत दौरे पर आने वाले किसी भी बल्लेबाज के एक द्विपक्षीय दौरे में 5 शतक लगाने के रिकॉर्ड से एक शतक दूर हैं। उन्होंने पिछले मैच में अपना तीसरा टी-20 इंटरनेशनल शतक लगाया। वे इस फॉर्मेट में वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने। होप की अहमियत इस आंकड़े से भी समझी जा सकती है कि भारत ने जिन चार मैचों में उनका विकेट लिया, उन सभी में जीत दर्ज की। वहीं, जिन तीन मैचों में वह नाबाद रहे, उनमें भारत को हार मिली।

दौरे पर 11.49 रन प्रति ओवर की रफ्तार से बने रन- भारत और वेस्टइंडीज के बीच इस दौरे पर मुकाबले हाई स्कोरिंग रहे हैं। दोनों टीमों ने 11.49 रन प्रति ओवर की रफ्तार से रन बनाए हैं। तीन से ज्यादा मैचों वाली किसी सीरीज या टूर्नामेंट में यह सबसे तेज रन रनटे है।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने 173 रन बनाए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ न्यू चंडीगढ़

पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने शुक्रवार को वीनू मांकड़ ट्रॉफी में दिल्ली अंडर-19 की ओर से 173 रन की पारी खेली। वे दिल्ली अंडर-19 के कप्तान भी हैं। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चंडीगढ़ अंडर-19 के खिलाफ हुए मैच में आर्यवीर ने 143 गेंदों पर 19 चौके और 8 छक्के लगाए। दिल्ली ने 50 ओवर में 289 रन बनाए, हालांकि चंडीगढ़ ने 41.3 ओवर में 5 विकेट खोकर यह टारगेट चेज कर लिया। 18 साल के आर्यवीर ने पिछले महीने भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सीरीज की तीन पारियों में 109 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट करीब 104 रहा। सीरीज में उनका सबसे बड़ा स्कोर 47 रन था। आर्यवीर राजकोट में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए भारत ए कैंप का हिस्सा भी रहे। आर्यवीर सहवाग ने दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला। उन्होंने 2 मैचों में 24 रन बनाए। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ 297 रन की पारी खेलकर चर्चा में आए थे। वीनू मांकड़ ट्रॉफी बीसीसीआई की ओर से कराई जाने वाली अंडर-19 वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट है। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों और क्रिकेट संघों की अंडर-19 टीमें हिस्सा लेती हैं।

ज्योतिष/वास्तु

सूर्य गोचर 2026

आज शनि के साथ बनेगा षडाष्टक योग तीन राशियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें



17 अक्टूबर 2026 को सूर्य कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में तुला को सूर्य की नीच राशि माना जाता है। इस दौरान कुंभ राशि में स्थित शनि के साथ सूर्य का षडाष्टक योग बनने की बात कही जा रही है। आइए जानते हैं किन तीन राशियों को इस अवधि में सतर्क रहना चाहिए और ज्योतिषीय उपाय के तौर पर क्या किया जा सकता है।

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, 17 अक्टूबर 2026 को सूर्य कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य का यह राशि परिवर्तन शाम 7 बजकर 57 मिनट पर होगा। ज्योतिष शास्त्र में तुला को सूर्य की नीच राशि माना जाता है। इस दौरान कुंभ राशि में स्थित शनि के साथ सूर्य का षडाष्टक योग बनने की बात कही जा रही है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस योग का प्रभाव कुछ राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन पर पड़ सकता है। ऐसे में संबंधित राशियों के लोगों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं किन तीन राशियों को इस अवधि में सतर्क रहना चाहिए और ज्योतिषीय उपाय के तौर पर क्या किया जा सकता है।

वृषभ राशि- वृषभ राशि के जातकों को इस अवधि में अपने व्यवहार और आर्थिक फैसलों पर विशेष ध्यान देना होगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचारों का टकराव हो सकता है, अनावश्यक बहस से दूर रहें। आर्थिक मामलों में भी जल्दबाजी करने से बचें। स्वास्थ्य के लिहाज से भी अपनी दिनचर्या का ध्यान रखना जरूरी होगा।

उपाय: धार्मिक मान्यता के अनुसार, वृषभ राशि के जातक भगवान शिव की आराधना करें और शिव चालीसा का पाठ कर सकते हैं।

तुला राशि- तुला राशि में सूर्य के गोचर से इनको करियर और व्यक्तिगत जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कामकाज की जिम्मेदारियां बढ़ने से मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। साझेदारी में व्यापार करने वाले लोगों को लेन-देन और व्यावसायिक समझौतों में पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। जोखिम भरे निवेश और सट्टेबाजी से दूरी बनाकर रखना बेहतर होगा। बातचीत के दौरान संयम बरतें और दूसरों की बात को समझने का प्रयास करें।

उपाय: तुला राशि के जातक हनुमान जी की पूजा कर सकते हैं और हनुमान चालीसा का पाठ कर सकते हैं।

मीन राशि- मीन राशि के जातकों को करियर और धन से जुड़े मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत हो सकती है। नौकरी में पदोन्नति या मनचाहा परिणाम मिलने में देरी होने से निराशा महसूस हो सकती है। हालांकि, धैर्य बनाए रखना और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर रहेगा। अचानक बढ़ने वाले खर्च बजट को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए गैरजरूरी खरीदारी से बचें। कानूनी मामलों से जुड़े लोगों को दस्तावेजों और जरूरी प्रक्रियाओं पर ध्यान देना चाहिए।

उपाय: धार्मिक मान्यता के अनुसार, मीन राशि के जातक सूर्य देव की उपासना करें और सूर्य मंत्रों का श्रद्धापूर्वक जाप कर सकते हैं।

खबर एक नजर...

चैकिंग में पकड़ाये युवक के पास मिला मादक पदार्थ



उज्जैन। चैकिंग पर निकली पुलिस ने गुरूवार-शुक्रवार रात जंगली पीर दरगाह लालपुल के पास से युवक को हिरासत में लिया। जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 19 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि ड्रग्स के साथ पकड़ाया युवक अजान उर्फ अजहान पिता शादाब खान 19 साल पीलू की मस्जिद के पीछे नई सड़क का रहने वाला है। जिसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है। उसके पास से मिली ड्रग्स 1 लाख 90 हजार कीमत की है। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेशकर पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट, डराने-धमकाने के 4 मामले दर्ज है।

चक्कर खाकर गिरे मृत मजदूर की हुई पहचान

उज्जैन। कृषि उपजमंडी के पीछे धर्मशाला में मजदूरी के लिये आया मजदूर गुरूवार को अचानक चक्कर आने के बाद गिर गया था। अस्पताल लाने पर उसकी मौत हो गई थी। चिमनगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया था। मजदूर की जानकारी जुटाने पर पता चला था कि उसे मजदूरी के लिये सराय से लाया गया था। किसी को उसका नाम-पता मालूम नहीं है। पुलिस ने पहचान के लिये मृतक का सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट किया और आसपास के थाना पुलिस से जानकारी मांगी। देर रात पता चला कि मृतक पानबिहार चौकी क्षेत्र के ग्राम पदमाखेड़ी का रहने वाला शंकर पिता भंवरलाल है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। शुक्रवार सुबह भाई राजेश गुर्जर उज्जैन पहुंचा और पहचान की। परिजनों के आने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। परिजनों ने बताया कि रोज मजदूरी के लिये उज्जैन आता था। शंकर दो बच्चों का पिता था। आशंका जताई गई कि उसे हार्ट अटैक हुआ था। जिसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा।

रेलवे स्टेशन से लापता हुई 60 साल की वृद्धा

उज्जैन। राजीव रत्न कालोनी नीलगंगा क्षेत्र में रहने वाली 60 वर्षीय शीला पति बुद्धीप्रसाद रेलवे में सफाईकर्मी थी। 10 अक्टूबर को वह ड्युटी पर जाने के लिये घर से निकली थी। शाम को घर नहीं लौटी तो परिजनों ने तलाश शुरू की। 5 दिनों तक कुछ पता नहीं चलने पर बहू रानी ने जीआरपी पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। शुक्रवार शाम तक वृद्धा का कुछ पता नहीं चल पाया था।

साइबर ठगों के निशाने पर उज्जैन जिले के लोग

उज्जैन। ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देने वाले ठगों ने उज्जैन जिले को अपने निशाने पर ले लिया है। हर दिन हजारों-लाखों की धोखाधड़ी होना सामने आ रहा है। अब बिरलाग्राम पुलिस ने सुनील पिता रामकुमार केवट निवासी वर्धमान कालोनी के साथ नेटबैंकिंग के माध्यम से हुई 32 हजार की धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। यहीं नहीं बड़नगर पुलिस ने शुभम पिता पवन कोहली निवासी विक्रमपथ के साथ 42 हजार और ग्राम सतवास में रहने वाले जितेन्द्र पिता मदनलाल के साथ 82 हजार की ऑनलाइन धोखाधड़ी का प्रकरण अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ दर्ज किया है। जीवाजीगंज पुलिस ने पीपलीनाका पर रहने वाले रामसिंह पिता सुरेशसिंह पंवार के साथ यूपीआई के माध्यम से हुई धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की है। पिछले 4-5 दिनों में माधवनगर, चिमनगंज, खाराकुआ, खाचरौद थाना पुलिस 10 से अधिक मामले दर्ज कर चुकी है। इससे पहले भी जिले की कई थाना पुलिस ने हजारों-लाखों की ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले दर्ज किये है। जिस तरह से उज्जैन जिले में साइबर फ्रॉड होना सामने आ रहा है, उससे लगने लगा है कि ठगों उज्जैन को अपना ठिकाना बना लिया है।

आगर रोड मिली लापता हुई 15 साल की बालिका

उज्जैन। नागझिरी थाना क्षेत्र के प्रीति परिसर में रहने वाले परिवार ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 15 साल की बेटी अचानक घर से लापता हो गई है। वह कपड़ों का बेग लेकर निकली है। उसके लापता होने के दौरान वह घर पर अकेली थी, मां छोटी बेटी को डांस क्लास छोड़ने गई थी। एएसआई द्वारिका प्रसाद ने बताया कि मामला नाबालिग बालिका से जुड़ा होने पर तत्काल तलाश शुरू की गई और कैमरों के फुटेज देखे गये। बालिका आगररोड इंदिरानगर की ओर जाती दिखाई दी। परिजनों से क्षेत्र के संबंध में रिश्तेदारों की जानकारी प्राप्त की गई तो पता चला कि इंदिरानगर में बालिका की दादी रहती है। वहां पहुंचने पर बालिका सुरक्षित मिल गई। पूछताछ करने पर सामने आया कि मम्मी के डांटने पर वह बेग लेकर दादी के यहां आ गई थी। बालिका को परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

दिन	227-1	468-8
मेन बाजार	159-5	246-2
मिलन डे	470-1	447-5
मिलन नाइट	235-0	490-3

2 8 9

बोमा अभियान-2 के तहत रेस्क्यू में पकड़े जा रहे मृगों को उद्यान एवं अभ्यारण्य में छोड़ा जा रहा

खिवनी अछुता, गांधी सागर को मिला कृष्णमृगों का प्रतिसाद

कूनो, नौरादेही, गांधीसागर में चीतों के लिए प्राकृतिक भोजन की व्यवस्था सुदृढ़ हुई

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शाजापुर एवं शुजालपुर क्षेत्र में बोमा अभियान-2 के तहत कृष्णमृगों का रेस्क्यू छठे दिन भी जारी रहा है। शुक्रवार को शुजालपुर क्षेत्र के टिटवास में अभियान -2 के तहत सर्वाधिक 109 कृष्णमृगों का रेस्क्यू किया गया। इसके बाद लगातार दूसरे दिन इन मृगों को गांधीसागर वन्य जीव अभ्यारण्य में छोड़ने का काम किया गया है। अब तक प्रदेश के कूनो उद्यान, नौरादेही टाईगर रिजर्व, गांधीसागर अभ्यारण्य में ही पकड़े गए मृगों को छोड़ा गया है। खिवनी वन्य जीव अभ्यारण्य देवास इससे अछुता रहा है।

शाजापुर-शुजालपुर में 10अक्टूबर से वन विभाग मध्यप्रदेश ने दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ संस्था कंजर्वेशन सॉल्यूशंस का तकनीकी सहयोग प्राप्त कर अभियान की शुरूआत की है। अभियान -2 के अंतर्गत गुरूवार को कालापीपल तहसील के ग्राम मनसाया में 52 कृष्णमृगों को पकड़कर तत्काल ट्रकों में भरकर गांधीसागर के लिए रवाना किया गया था। इसी प्रकार से शुक्रवार को शुजालपुर तहसील के ग्राम टिटवास में 109 कृष्णमृगों का रेस्क्यू किया गया। मुख्य वन संरक्षक उज्जैन डॉ. किरण बिसेन के अनुसार दूसरे दिन भी रेस्क्यू कृष्णमृगों को गांधीसागर के लिए रवाना किया गया है। इससे पूर्व कूनों एवं नौरादेही रानी दुर्गावती टाईगर रिजर्व में कृष्णमृगों को छोड़ा गया है।

खिवनी अछुता- देवास जिले में खिवनी वन्य जीव अभ्यारण्य है। इसे वन विभाग बाद्यों के प्राकृतिक प्रजनन केंद्र के रूप में देखता है। यहां कालासोत से बाद्यों का सीधा आवागमन है। इसके साथ ही यह क्षेत्र खंडवा और इंदौर के वन क्षेत्र से भी जुड़ा हुआ है। इस वन क्षेत्र में जमकर तेंदुआ की संख्या भी है और भालू भी हैं। ऐसे में शिकारी वन्यजीवों के लिए कृष्णमृगों को छोड़ा जाना हितकर माना जा रहा है।

6 दिन में 488 का रेस्क्यू- बोमा अभियान -2 की शुरूआत 10 अक्टूबर को पोलायकलां के ग्रामीण क्षेत्र से 97 कृष्णमृगों को पकड़ने के साथ हुई थी। शुक्रवार को 6 ठा दिन इसमें विशेष रहा जिसमें अब तक सबसे अधिक कालापीपल के टिटवास से 109 मृगों का रेस्क्यू किया गया। इसके बीच दुसरे दिन 79, तीसरे दिन पंचदेहरिया से 77, चौथे दिन मनसाया से 74,पांचवे दिन भी मनसाया से 52 कृष्णमृगों को रेस्क्यू किया गया था। इनमें से सबसे पहले के कृष्णमृगों को कूनो राष्ट्रीय पार्क एवं बाद में नौरादेही टाईगर रिजर्व में छोड़ा गया था। पांचवे एवं छठे दिन पकड़े गए कृष्णमृगों को गांधीसागर में छोड़ा गया है।

बाडों में चीतों की चिंता- इधर वन विभाग के सूत्रों के अनुसार दशकों पहले भारत से विलुप्त हो चुके चीता को पिछले 3 वर्षों में प्रदेश के तीन स्थानों पर एक बार फिर से बसाया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका महादीप के देशों से लाए गए चीतों के लिए भारत में पहला घर कूनो राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया। इसी क्रम में गांधीसागर अभ्यारण्य उनके लिए दूसरा घर बनाया गया। हाल ही में नौरादेही में भी चीतों को बसाने की शुरूआत कर दी गई है। कूनों में अब भारत में जन्मे चीता सहित 56 चीतों की संख्या सामने आ रही है। गांधीसागर में 4 चीतों की संख्या ही है। यहां अब तक नए चीतों ने जन्म नहीं लिया है। नौरादेही में हाल ही में एक नर एवं एक मादा चीता को छोड़ा गया है। चीतों को सुलभता से शिकार मिल सके इसे देखते हुए किसानों एवं फसलों को नुकसान पहुंचा रहे कृष्णमृगों को रेस्क्यू कर वहां छोड़ा जा रहा है जिससे की प्राकृतिक संतुलन की स्थिति बनी रहे।

घटना में 2 युवकों की हुई मौत, 8 से 9 लोग को आई मामूली चोंट

बाइक सवार को बचाने में खाई में गिरी यात्री बस

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

राघवी थाना क्षेत्र के तराना-माकडोन फंटा पर शुक्रवार शाम बाइक सवार को बचाने में यात्रियों से भरी बस खाई में गिर गई। घटनाक्रम में मौके से गुजर रहे बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई। कुछ यात्री घायल हुये है, जिन्हे मामूली चोंट लगी थी।

आगर से शर्मा ट्रेवल्स की बस क्रमांक एमपी 70 पी 0161 यात्रियों को लेकर उज्जैन आ रही थी। राघवी थाना क्षेत्र के तराना-माकडोन फंटा के मोड़ पर अचानक एक बाइक सवार बस के सामने आ गया। जिसे बचाने के प्रयास में बस पास खाई में जा गिरी। घटनाक्रम के दौरान रास्ते से गुजर रहे बाइक सवार 2 युवक बस की चपेट में आ गये। दोनों की मौके पर मौत हो गई। यात्रियों से भरी बस खाई में गिरती देख आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस भी पहुंची। मृतक



युवकों को तत्काल महिदपुर शासकीय अस्पताल रवाना किया। वहीं बस में सवार कुछ यात्रियों को चोंट लगी थी, जिन्हे समीप के स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। मामूली चोंट होने पर करीब 7 से 8 महिला-पुरूष यात्रियों का प्राथमिक उपचार किया गया। वहीं अन्य यात्रियों को दूसरी बसों के माध्यम से उनके गतंव्य के लिये रवाना किया गया। बस को क्रेन की मदद से खाई से बाहर निकाला गया है। राघवी पुलिस के अनुसार हादसे का शिकार हुये मृतक युवकों की पहचान करने पर उनके नाम मोहन पिता मांगीलाल और महेश पिता बापूजी निवासी इंगोरिया के पास ब्राह्मण बडोदिया होना सामने आये। परिजनों के आने पर रिश्तेदार होना सामने आये और ग्राम टुकराल जा रहे थे। पुलिस के अनुसार दोनों का शनिवार सुबह महिदपुर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

इधर अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला

शुक्रवार शाम 5 बजे के लगभग बड़नगर मार्ग ग्राम चंदूखेड़ी में रहने वाले अमित पिता अशोक जयसवाल को पैदल घर लौटते समय घर से कुछ दूरी पर तेजगति से आये अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल होने पर उसे परिवार के लोग गांव वालों की मदद से चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। चिंतामण थाना पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम किया गया है। अज्ञात वाहन की जानकारी जुटाई जा रही है। मृतक का शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

थाना प्रभारी ने टीम के साथ किया रेस्क्यू

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

नागदा में हाईवे पेट्रोलिंग के दौरान गुरूवार-शुक्रवार रात डेढ़ बजे थाना प्रभारी ने टीम के साथ आग की लपटों से घिरे मकान की ऊपरी मंजिल पर फंसे परिवार का रेस्क्यू कर तीन सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया।

बताया जा रहा है कि रात में नागदा थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी टीम के साथ हाईवे पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। उसी दौरान कुछ लोगों ने बताया कि कारतूस ढाबे के पास एक मकान में भीषण आग लगी है। ऊपरी मंजिल से बचाव-बचाव की आवाज आ रही है। थाना प्रभारी पेट्रोलिंग टीम के साथ ढाबे के पास पहुंचे। 2 मंजिला मकान का ग्राउंड फ्लोअर पूरी तरह से आग में घिर हुआ था। हाईवे पर फायर बिग्रेड आने में समय लगता। इससे पहले थाना प्रभारी ने टीम के साथ परिवार के 3 सदस्यों को बचाने के लिये रेस्क्यू की शुरूआत की और कुछ लोगों को बुलाकर नीचे सुरक्षित घेरा बनाया। तीनों सदस्यों को करीब 15 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाने के लिये कहा। कुछ देर में एक-एक कर तीनों को सुरक्षित आग के बीच से बाहर निकाल लिया। थाना प्रभारी गवरी ने बताया कि सुरक्षित बचाये गये परिवार में पदमसिंह उनकी पत्नी नेहाकुंवर और पुत्र युजीत सिंह थे। परिवार ऑयल-ग्रीस का कारोबार करता है। मकान के नीचे ऑयल की 140 बाल्टी रखी थी। आग शार्ट सार्किट से लगी थी, जिसके चलते ऑयल के साथ ग्रीस के बाल्टियां पूरी तरह स्वाहा हो गई थी।

बगैर डिग्री के चिकित्सा, दवाखाना बंद कराया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

खाचरौद के घिनौदा में संचालित हो रहे बगैर डिग्री चिकित्सा करने वाले चिकित्सक का दवाखाना बंद कराया गया है। इसे लेकर जनसुनवाई में मांगीलाल पिता नानूराम पाटीदार, निवासी घिनोदा डॉ. विश्वास के विरुद्ध शिकायत प्रस्तुत की गई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी के मार्गदर्शन में इसे बंद करवाया गया है।

जिले में अवैध रूप से संचालित चिकित्सा संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर कार्रवाई करते हुए संबंधित दवाखाना बंद कराया गया।13 अक्टूबर को इसकी शिकायत थी जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित दवाखाना बंद करवाया गया है।

कार्रवाई के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी, डॉ. प्रदीप सोमेश, शिशु रोग विशेषज्ञ तथा अनोखीलाल, नागदा सहित संबंधित टीम मौके पर पहुँची। टीम द्वारा शिकायत के संबंध में कार्रवाई करते हुए संबंधित दवाखाने को बंद कराया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी ने स्पष्ट किया कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। बिना वैध चिकित्सकीय योग्यता के चिकित्सा कार्य करने तथा नियमों के विपरीत संचालित होने वाले दवाखानों के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर एवं सड़क के पास अस्थाई निवास करने वाले बच्चों का सर्वे किया गया

सर्वे में 100 बच्चे मिले उज्जैन में

महिला बाल विकास की खाचरौद परियोजना में 17 बच्चे चिंहाकित

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महिला बाल विकास ने जोखिम ग्रस्त बालको के सर्वे कराकर सड़क पर रहने वाले बच्चे ओर सड़क पर रहने वाले परिवारो के बच्चों को जिला बाल संरक्षण अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया।

जिसमें शहरी परियोजना क्रमांक 1 परियोजना अधिकारी प्रियका जायसवाल के द्वारा पर्यवेक्षक व आंगनवाडी कार्यकर्ताओ के साथ कोस्मोस मॉल के सामने, काला पत्थर, नानाखेडा बस्ती में सड़क पर निवासी अस्थाई बस्तियो में लगभग 40 बच्चे चिन्हाकित किये गये। व शहरी परियोजना क्रमांक 4 परियोजना अधिकारी अर्चना दलाल के मार्गदर्शन में पर्यवेक्षक वंदना गुप्ता व आंगनवाडी अमले द्वारा कार्तिक मेला ग्राउंड, ईमली चौक में सड़क पर निवासी अस्थाई बस्तियो में लगभग 60 बच्चे चिन्हाकित किये गये। जिनकी सर्वे जानकारी प्रारूप 2 में भरकर आगामी कार्यवाही हेतु तैयार की जावेगी। विशेष अभियान अंतर्गत एक दिवस में 100 से अधिक बच्चो को चिन्हाकित किया गया।

खाचरौद में मिले 17- परियोजना खाचरौद 2 परियोजना अधिकारी मुकेश वर्मा के मार्गदर्शन में पर्यवेक्षक मीनु गुप्ता व आंगनवाडी अमले द्वारा 17 ऐसे बालको को चिन्हित किया गया। संपूर्ण अभियान में आईसीपीएस के संरक्षण अधिकारी सुरेन्द्र कुमार शर्मा व सामाजिक कार्यकर्ता गौरव मित्तल द्वारा प्रभावी सहयोग व ईनीशीएटीव लेते हुए बस्तियो में प्रभावी संवाद भी किया गया। अभियान में परियोजना उज्जैन शहर क 1 पर्यवेक्षक सरिता व आंगनवाडी कार्यकर्ता शहर 4 सरला जोशी द्वारा आवश्यक सहयोग किया गया।

फ्लावर डेकोरेशन करने वाले भाईयों से मांग थे 2 लाख

मालीपुरा में रंगदारी करने वाले आरोपियों का निकाला जुलूस



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मालीपुरा लक्ष्मीबाई मार्ग पर फ्लावर डेकोरेशन का काम करने वाले 2 भाईयों से 2 लाख की मांग करने वाले एक नाबालिग सहित 7 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों का शुक्रवार को क्षेत्र में जुलूस निकाला गया।

कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि 9 अक्टूबर को सात-आठ बदमाशों ने फ्लावर डेकोरेशन करने वाले 2 भाईयो अजय पटेल और अभिषेक पटेल का रास्ता रोककर 2 लाख रुपए मांगे थे। भाईयों ने मना किया तो बदमाशों ने फायरिंग की थी और जानलेवा हमला करते हुये हत्या की धमकी देकर भाग निकले थे। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। मामले में अजय पटेल की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया था। शुक्रवार को रंगदारी करने के साथ जानलेवा हमला करने वालों में शामिल बदमाशों में शामिल फरहान पिता सलीम अहमद 22 वर्ष, निवासी कोर्ट मोहल्ला, तोफिक पिता रफीक खान 25 वर्ष निवासी पुरानी मस्जिद के पास गांधीनगर, अयान पिता इलियास खान 20 वर्ष गांधीनगर, नदीम पिता मोहम्मद इकबाल कुरैशी 18 वर्ष अमरपुरा, नारायण उर्फ आला पिता ख्याली बाथम 20 वर्ष दुर्गा कॉलोनी, अयान पिता मोहम्मद सईद19 वर्ष निवासी गली नंबर 3 गांधीनगर के साथ एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनका क्षेत्र में जुलूस भी निकाला गया। पुलिस के अनुसार नाबालिग के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है। शेष 6 आरोपियों के खिलाफ अवैध वसूली और जानलेवा हमले के मामला दर्ज है। सभी आरोपी अपराधि प्रवृति के है। जिनके खिलाफ पूर्व में कई अपराध दर्ज है। पूछताछ कर फायरिंग में प्रयुक्त हथियार बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

शहर की सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे डंपर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे डंपर आम लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि कई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजूद भारी वाहनों के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण नजर नहीं आ रहा है। वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा और चालकों की योग्यता की जांच को लेकर परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण, पुल निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों के लिए निर्माण सामग्री पहुंचाने में बड़ी संख्या में डंपर और रेती से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का उपयोग हो रहा है। निर्माण सामग्री की बढ़ती आवाजाही के बीच शहर की मुख्य सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी भारी वाहन धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। ऐसे में दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। भारी वाहनों की तेज रफ्तार और उनके संचालन में लापरवाही आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण सामग्री ढोने के लिए बड़ी संख्या में डंपर संचालित हो रहे हैं। आरोप हैं कि कुछ वाहन मालिक अनुभवहीन चालकों को भारी वाहनों की जिम्मेदारी सौंप देते हैं। भारी वाहनों को चलाने के लिए विशेष कौशल और सतर्कता की जरूरत होती है। ऐसे में अप्रशिक्षित या अनुभवहीन चालकों के हाथों में इन वाहनों की कमान होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। चालकों के लाइसेंस और योग्यता की जांच के साथ यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है। परिवहन विभाग के पास जिले में पंजीकृत वाहनों और उन्हें जारी किए गए फिटनेस प्रमाण-पत्रों का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है।

सालभर से थी मायके में, पुलिस ने निकाला शव

घर से निकली महिला ने कुएं में लगाई छलांग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

घर से निकली महिला ने घर के पास बने कुएं में छलांग लगा दी। जब वह कुछ देर तक घर नहीं लौटी तो परिजन तलाश में निकले। कुएं के पास चप्पल दिखाई देने पर कुएं में देखा तो उसकी लाश पड़ी दिखाई दी। पुलिस ने शव बाहर निकालकर मामले की जांच शुरू की है।

उज्जैनपंवासा क्षेत्र के पंचकुआ में रहने वाली रानी पति विनोद 27 साल गुरूवार शाम घर से निकली थी। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटी तो परिवार को लगा के समीप के मंदिर गई हो गई। लेकिन अंधेरा ढलने के बाद भी घर नहीं आई तो भाई आकाश उसकी तलाश में निकला। मंदिर के समीप कुएं के पास उसकी चप्पल दिखाई दी। उसने अंदर देखा तो बहन रानी डूबी दिखाई दी। उसने परिवार को बुलाया और आसपास के लोगों को आवाज लगाई। महिला के कुएं में गिरने की सूचना मिलने पर पंवासा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। रात में उसका शव बाहर निकाला गया। एएसआई सावित्री कटारा ने बताया कि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों से पूछताछ करने पर पता चला कि पांच साल पहले इंदौररोड स्थित ग्राम धतुरिया में शादी हुई थी। लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते सालभर से मायके में रही थी। रानी ने पति के खिलाफ पारिवारिक न्यायालय में केस भी लगा रखा था। एएसआई कटारे के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप जांच शुरू की गई है।

भाई ने ससुराल वालों पर लगाया आरोप- पोस्टमार्टम के दौरान भाई आकाश ने आरोप लगाते हुये बताया कि रानी के साथ ससुराल में काफी कुछ गलत हुआ था। पति के रिश्तेदार ने गलत काम किया था। लेकिन ससुराल वालों ने समझौता कर दर्ज कराई गई शिकायत वापस ले ली थी। बहन को घर से निकाल दिया था। मामले में पंवासा थाना प्रभारी गरमसिंह मंडलोई ने बताया कि पूर्व में महिला के साथ हुई घटना की शिकायत सांवेर थाने में दर्ज होना सामने आया है। लेकिन उसमें समझौता हो गया। परिजनों के बयान दर्ज करने पर ही आत्महत्या का कारण सामने आ पायेगा।

साड़ी का फंदा बनाकर युवती ने लगाई फांसी

माता-पिता के बाजार जाने के बाद युवती ने मां की साड़ी का फंदा बनाया और फांसी लगा ली। माता-पिता के लौटने पर घटनाक्रम सामने आया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि अम्बर कालोनी में रहने वाली तनिषा पिता दशरथ बागरी 18 साल के फांसी लगाने की सूचना अस्पताल से मिली थी। परिवार उसके फंदे से उतारकर ले गये थे। पुलिस घटनास्थल पहुंची, विवेचना के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। घटनास्थल को सील कर परिजनों से पूछताछ में सामने आया कि पिता अंजीर बेचने का काम करते है। शाम को वह पत्नी के साथ बाजार गये थे। घर पर तनीषा अकेली थी। उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। पिता का कहना था कि बेटी का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com